हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 198 बेमेतरा, गुरुवार 12 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

निर्दोषों को मारा जा रहा है... हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथनेनी हरीश ने कहा कि अफगानिस्तान की जमीन पर किए गए ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और किसी भी देश की संप्रभुता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव की हालिया रिपोर्ट में सीमा पार सशस्त्र हिंसा के कारण नागरिकों के हताहत होने पर गहरी चिंता जताई गई है। भारत इस चिंता का समर्थन करता है और सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय तथा मानवीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने की अपील करता है, ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। भारत ने यह भी कहा कि पवित्र रमजान के महीने में हुए इन हमलों में बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिकों की जान गई है। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन के अनुसार 6 मार्च 2026 तक 185 नागरिकों की मौत हो चुकी है।

रसोई गैस बुकिंग के नियमों में सरकार ने किया बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम आदमी की रसोई से जुड़े एलपीजी गैस सिलेंडरों की बुकिंग प्रक्रिया में एक बड़ा और अहम बदलाव कर दिया है। अब ग्राहकों के लिए एलपीजी गैस सिलेंडर की बुकिंग का समय 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। सरकार की ओर से उठाया गया यह सख्त कदम मुख्य रूप से गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और बाजार में चल रही ब्लैक मार्केटिंग (कालाबाजारी) पर पूरी तरह से लगाम लगाने के मकसद से लिया गया है। इस बड़े बदलाव के साथ ही सरकार ने देश की सभी रिफाइनरियों को एलपीजी का प्रोडक्शन (उत्पादन) बढ़ाने का भी सख्त आदेश दिया है। तेल और गैस कंपनियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे कॉमर्शियल कनेक्शन की बजाय घरेलू एलपीजी ग्राहकों की जरूरतों को पहली प्राथमिकता दें। सूत्रों के मुताबिक, भारत सरकार घरेलू उपभोक्ताओं की मांग को निर्बाध रूप से पूरा करने के लिए अब एलपीजी के लिए नए अंतरराष्ट्रीय पार्टनर्स की भी तलाश कर रही है।

प्रताड़ना, मारपीट और अवैध संबंध, इस स्टार क्रिकेटर पर पत्नी ने लगाए गंभीर आरोप

कानपुर। कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पूर्व आईपीएल खिलाड़ी अमित मिश्रा और उनके परिवार के खिलाफ उनकी पत्नी गरिमा तिवारी ने घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए अदालत में नया मुकदमा दायर किया है। जानकारी के मुताबिक, 9 मार्च 2026 को गरिमा तिवारी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में शिकायत दाखिल की। शिकायत में उन्होंने पति अमित मिश्रा और उनके परिवार पर लगातार मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना, मारपीट और अवैध संबंधों के आरोप लगाए हैं।

अमित शाह का विपक्ष पर वार

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लोकतंत्र की नींव पर हमला

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष की ओर से लाए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, संविधान ने स्पीकर को मध्यस्थ की भूमिका दी है। आप उसी मध्यस्थ पर शक कर रहे हैं। 75 वर्षों में दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है। विपक्ष ने उस गहरी नींव की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़ा किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह कोई सामान्य घटना नहीं है। करीब चार दशक बाद एक बार फिर से लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया है। यह संसदीय राजनीति और सदन दोनों के लिए अफसोसजनक घटना है, क्योंकि अध्यक्ष किसी दल के नहीं, सदन के होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्थापित परंपरा के अनुसार इस सदन की कार्यवाही आपसी विश्वास के आधार पर होती है। स्पीकर एक निष्पक्ष संरक्षक के रूप में काम करते हैं, जो सरकार और विपक्ष दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शाह ने कहा कि लोकसभा के लिए विशेष नियम बनाए गए हैं, जिनके अनुसार स्पीकर को सत्र चलाना चाहिए। यह सदन कोई बाजार नहीं है।सदस्यों से उम्मीद की जाती है कि वे इसके नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार बोलें और भाग लें। उन्होंने कहा, मैं पूरे सदन को बताना चाहता हूं कि वर्तमान स्पीकर की नियुक्ति जब हुई, तब दोनों दलों के नेताओं ने एक साथ उन्हें आसन पर बैठाने का काम किया। इसका मतलब है कि स्पीकर को अपने दायित्वों के

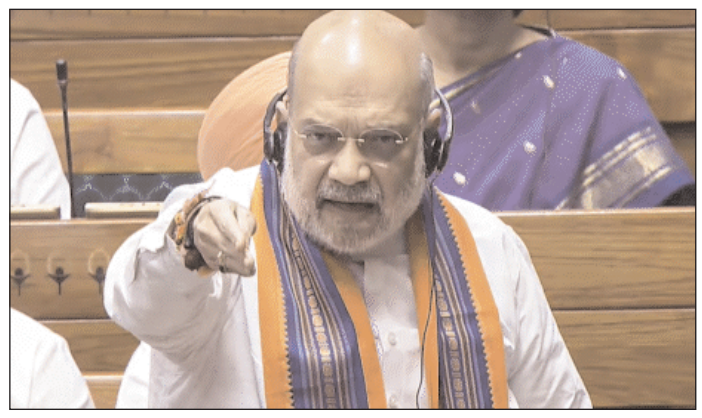

निर्वहन के लिए पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने एक प्रकार से मुक्त माहौल भी देना है और दायित्वों के निर्वहन के लिए उनका समर्थन भी करना है। केंद्रीय गृह मंत्री कहा कि स्पीकर के निर्णय पर कोई असहमति तो व्यक्त हो सकती है, लेकिन लोकसभा के नियमों में स्पीकर के निर्णयों को अंतिम माना गया है। इसके विपरित विपक्ष ने स्पीकर की निष्ठा पर सवालिया निशान खड़ा किया। शाह ने कहा, मैं बताना चाहता हूं कि 75 साल से इन दोनों सदनों ने हमारे लोकतंत्र की नींव को पाताल से भी गहरा किया है। लेकिन आज विपक्ष ने इस साख पर एक प्रकार से सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। सदन आपसी विश्वास से चलता है। पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए सदन के जो स्पीकर होते हैं, वह संरक्षक होते हैं। इसलिए नियम बनाए गए हैं। यह सदन कोई मेला नहीं है; यहां नियमों के अनुसार चलना पड़ता है। जिन बातों को सदन अनुमति नहीं देता है, उस तरह से बोलने का किसी को अधिकार नहीं है, चाहे वह कोई भी हो। उन्होंने कहा, विपक्ष जब स्पीकर की निष्ठा पर सवाल खड़ा करता है, तो मान्यवर यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और निंदनीय भी है। यह हमारी परंपरा, उच्च परंपराओं का निर्वहन करने के लिए बहुत अफसोसजनक घटना है। उन्होंने कहा, हम भी विपक्ष में रहे हैं।

कांग्रेस के सदस्यों को भाजपा से ज्यादा बोलने का समय मिला

मुझे विधायक, सांसद रहते हुए लगभग 30 साल हो गए। लेकिन रात के 12 बजे तक सदस्यों को शून्यकाल उठाने का मौका हमारे लोकसभा स्पीकर साहब ने दिया है, ऐसा मैंने कभी नहीं देखा। लेकिन ये कहते हैं कि उन्हें मौका ही नहीं मिलता है। 2019 में रिकॉर्ड 78 महिलाएं संसद में चुनकर आईं। स्पीकर ने सभी महिला सांसदों को बोलने का मौका दिया। उन्होंने कहा, (लोकसभा स्पीकर) ओम बिरला के आग्रह पर सदन के अंदर क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग भी बढ़ा और लगभग 14 भाषाओं में यहां भाषण दिया गया। शाह ने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी को बताना चाहता हूं कि 17वीं लोकसभा में कांग्रेस पार्टी को 157 घंटे और 55 मिनट का समय दिया गया, जबकि उनके 52 सदस्य थे। इसकी तुलना में भाजपा को 349 घंटे और 8 मिनट दिए गए, जबकि हमारी सदस्य संख्या 303 थी।

आरएसएस का पानीपत मंथन

शताब्दी वर्ष के लिए तैयार हो रहा महाप्लान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सबसे महत्वपूर्ण और सर्वोच्च निर्णय लेने वाली इकाई, 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा' की वार्षिक बैठक इस वर्ष पानीपत के समालखा में आयोजित की जा रही है। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली यह तीन दिवसीय बैठक न केवल ऐतिहासिक है, बल्कि भविष्य की रणनीतियों के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। 13 से 15 मार्च तक चलने वाली यह बैठक पट्टीकल्याणा स्थित माधव सृष्टि, ग्राम विकास एवं सेवा साधना केंद्र में संपन्न होगी। बैठक के औपचारिक सत्र शुरू होने से पहले, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर द्वारा एक विशेष प्रेस वार्ता आयोजित प्रेस वार्ता में दी। इसमें आगामी तीन दिनों के सत्रों, चर्चा के प्रमुख बिंदुओं और प्रतिनिधि सभा के एजेंडे को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की।

भारतीय क्रिकेटर ईशान किशन अहमदाबाद में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद पटना के जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे।

राघव चड्ढा ने सांसद में उठाई आवाज

रिचार्ज खत्म होते ही इनकमिंग बंद क्यों

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में मोबाइल फ़ोन यूज़र्स का मुद्दा उठाया। उन्होंने प्रीपेड मोबाइल यूज़र्स की एक बड़ी समस्या की ओर सबका ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रीपेड रिचार्ज खत्म होने के बाद उनकी इनकमिंग सर्विस भी बंद हो जाती है, जो पूरी तरह से गलत है। उन्होंने इसे टेलीकॉम कंपनियों की पूरी तरह से मनमानी बताया। राघव चड्ढा ने राज्यसभा में कहा कि टीआरएआई के डेटा से पता चलता है कि देश में 1.25 बिलियन मोबाइल यूजर्स हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत प्रीपेड मोबाइल यूजर्स हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रीपेड मोबाइल यूजर्स की तरफ से दो बड़ी चिंताएं उठाना चाहेंगे। पहली यह कि रिचार्ज खत्म होने के बाद इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल बंद हो जाती हैं।

ध्वनि मत से हुआ खारिज,विपक्ष को बड़ा झटका

धम से गिरा बिरला के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव....

नई दिल्ली/ एजेंसी

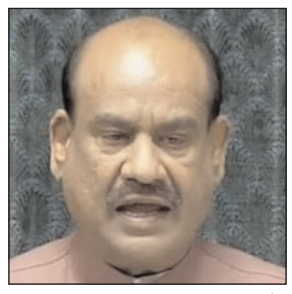

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफविपक्ष की ओर से लाया गया अविश्वास प्रस्ताव ध्वनि मत से खारिज हो गया। इस प्रस्ताव पर लोकसभा में दो दिनों तक बहस चली, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिरला का बचाव करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला किया। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कई विपक्षी नेताओं के समर्थन से यह प्रस्ताव पेश किया था और स्पीकर पर पक्षपात के आरोप लगाए थे, लेकिन एनडीए ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। प्रस्ताव गिरने के बाद ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष बने रहेंगे। प्रस्ताव के गिरने के बाद विपक्ष को बड़ा झटका लगा है। साथ ही जब केंद्रीय गृह मंत्री आज सदन में आए तब उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ओम बिरला की निष्ठा पर सवाल उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नियमों के खिलाफ किसी को बोलने का अधिकार नहीं है। साथ ही राहुल गांधी पर तंज कसते हुए शाह ने कहा कि वह कहते हैं उन्हें बोलने नहीं दिया जाता, जबकि वह खुद बहस में हिस्सा नहीं लेते और महत्वपूर्ण सत्रों के दौरान अक्सर विदेश में रहते हैं। बुधवार को अमित शाह को सरकार की ओर से प्रस्ताव पर जवाब देना था। उन्होंने सदन में बोलते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कभी आंख मटकाते हैं और कभी प्रधानमंत्री को उनकी सीट पर गले लगाते हैं। इस बयान पर विपक्षी सांसदों ने खूब शोर मचाया और माफी मांगने की मांग की।

कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान पुस्तक पर विवाद एनसीईआरटी ने विवादित अध्याय वापस लिया

नई दिल्ली। एनसीईआरटी ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की एक नई पुस्तक को वापस लेने और उसमें शामिल विवादित अध्याय पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्णय लिया है। यह कदम उस विवाद के बाद उठाया गया है, जो पुस्तक के अध्याय 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' को लेकर सामने आया था। पुस्तक के चैप्टर में न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियोंजैसे भ्रष्टाचार, मामलों का भारी बैकलॉग, जजों की कमी और अन्य संवेदनशील मुद्दोंका उल्लेख किया गया था। न्यायपालिका से जुड़े इन विवरणों को लेकर व्यापक बहस छिड़ गई और इसे अदालत की गरिमा से जोड़कर देखा जाने लगा।

फैसला पढ़ते हुए रो पड़े जज

हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट ने दी इच्छामृत्यु की इजाजत

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 13 साल से बिस्तर पर पड़े युवक हरीश राणा को इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने इस मामले में एम्स से राणा की मेडिकल रिपोर्ट मंगवाई थी। एम्स ने रिपोर्ट में कहा कि राणा के ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राणा के लिए पैसिव यूथेनेशिया की मंजूरी दे दी। हरीश के माता-पिता ने अपने बेटे की इच्छामृत्यु के लिए यह केस सुप्रीम कोर्ट में दायर किया था। हरीश पिछले 13 साल से बिस्तर पर अचेत अवस्था में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के हरीश राणा को पैसिव युथनेसिया (इच्छामृत्यु) की अनुमति दे दी है। हरीश पिछले लगभग 13 साल से बिस्तर पर अचेत अवस्था में हैं। इस फैसले से पहले कोर्ट ने उनके परिवार से भी बातचीत की थी। हरीश के माता-पिता, जिन्होंने 100त्न दिव्यांग हो चुके बेटे के ठीक होने की उम्मीद छोड़ दी थी, ने ही सुप्रीम कोर्ट में उनकी इच्छामृत्यु की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा के मामले में दिल्ली के एम्स से रिपोर्ट मंगवाई थी। एम्स की रिपोर्ट में कहा गया कि हरीश कभी ठीक नहीं हो सकते। जस्टिस जे बी पारदीवाला ने इसे बेहद दुखद बताते हुए कहा कि यह फैसला मुश्किल है, लेकिन इस लड़के को अपार दुख में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में कहा कि अब हम उस चरण में हैं जहां अंतिम फैसला लेना अनिवार्य है।

विक्रम उसेन्डी ने अपनी ही सरकार को घेरा

केंवटी से ईरपानार के बीच खराब सड़क के कारण लगातार दुर्घटनाएं व मौतें

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज वरिष्ठ आदिवासी विधायक विक्रम उसेंडी ने अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि केंवटी-पखांजूर-बांदे- ईरपानार मार्ग की हालत बेहद खराब होने के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं तथा मौतें हो रही हैं। यहां सदन में दुर्घटनाएं नहीं होने की गलत जानकारी पेश की जा रही है। प्रश्नकाल में विक्रम उसेण्डी का सवाल था कि कांकेर जिले के केंवटी-पखांजूर-बांदे-ईरपानार मार्ग में वर्तमान समय में कितने पुल-पुलिया जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हैं? क्या इन पुल-पुलियों के निर्माण कार्य की स्वीकृति हुई है? यदि हां तो कब से निर्माण कितनी-कितनी लागत से किया जाना है? क्या इन पुल-पुलियों के संकरे होने एवं ठीक नहीं होने के चलते इन स्थलों पर कई दुर्घटनाएं घटित हुई हैं? विक्रम उसेन्डी ने आगे कहा कि यह 91 किलोमीटर लंबा मार्ग है। इस मार्ग को नया स्वरुप देने 2010 में शासन की ओर से स्वीकृति दी गई थी। 2013 तक यह काम पूरा हो जाना था। उसके बाद 2013 से 2018 का समय निकल गया तब भी काम नहीं हुआ। आज भी अटका हुआ है। इस मार्ग पर 11 स्थान तो ऐसे हैं जो बेहद खतरनाक हैं। उप उमुख्यमंत्री (लोक निर्माण) अरुण साव ने जवाब में कहा कि 2010 में भारत सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय ने इस मार्ग के लिए स्वीकृति प्रदान की थी। 2011 को कार्यादेश भी जारी हुआ था। 91 किलोमीटर की इस सड़क में 134 पुल पुलिया का निर्माण होना था। काम शुरु भी हुआ था। जो कंपनी काम कर रही थी

वह 2018 में काम छोड़कर चली गई। उच्च न्यायालय में मामला लंबित है। ऐसे 11 पुल पुलिया जो एकदम संकरे हैं, उन्हें ठीक करने विभाग ने व्यवस्था की है। दुर्घटना चिन्हित स्थानों पर विशेष मरम्मत मद से भी काम करा रहे हैं। बचे काम को पूरा करने की अनुमति जारी हो गई है। इस बार के बजट में इस बात की घोषणा भी हुई है। इस मार्ग पर दो और नये ब्रिज राज्य मद से स्वीकृत हुए हैं। विक्रम उसेन्डी ने कहा कि जिस 11 पुल पुलिया की बात कर रहे हैं वह साठ साल पहले के हैं, जहां लगातार दुर्घटनाएं होती हैं। आपके विभाग व्दारा दुर्घटानाएं नहीं होने की जानकारी दी जा रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सही है कि दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। विभाग के हिसाब से दुर्घटना की कोई जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री जब पखांजूर गए थे तब भी इस सड़क निर्माण की घोषणा किए थे। विक्रम उसेन्डी ने कहा कि इस मार्ग पर मोटर सायकल से लेकर छोटा हाथी, ट्रक, स्कार्पियो जैसे वाहनों के दुर्घनाग्रस्त होने की जानकारी सामने आती रही है। लगातार दुर्घटनाओं में मौतें भी होती रही हैं। विभाग के अधिकारी दुर्घटनाएं न होने का गलत उत्तर दे रहे हैं। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि हर विधायकों के सवालों पर इसी तरह गलत जानकारियां सामने आ रही हैं। सभापति धरमलाल कौशिक ने कहा कि मार्ग निर्माण के टेंडर तो होते हैं, रेट कम होते ही टेंडर लगाने लगाने वाले चले जा रहे हैं।

जंबूरी पर हंगामा, विपक्ष का वाक आउट, एक टेंडर निरस्त कर क्यों बुलाए दूसरा...

रायपुर। विधानसभा में आज बालोद जिले में जनवरी माह में हुई जंबूरी का मामला गरमाया रहा। जंबूरी आयोजन के लिए एक टेंडर निरस्त करते हुए दूसरा टेंडर बुलाए जाने पर विपक्ष ने कई सवाल खड़े किए। यह भी सवाल खड़ा हुआ कि प्रदेश स्तरीय जंबूरी समिति का अध्यक्ष कौन पूर्व मंत्री जो कि वर्तमान में सांसद हैं वह, या फिर स्वयं स्कूली शिक्षा मंत्री? बहस के दौरान दो-तीन ऐसे भी मौके आए जब विपक्ष व सत्ता पक्ष के विधायक आपस में जमकर उलझे। स्कूली शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के जवाबों से असंतुष्ट होकर सारे विपक्षी विधायक सदन से वाक आउट कर गए। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक उमेश पटेल का सवाल था कि बालोद में हुए स्काउट गाइड के रोवर रेंजर जंबूरी कार्यक्रम में किस-किस कार्य के लिए कितना-कितना खर्च किया गया?

तेन्दूपत्ता सीजन 2026 की तैयारी शुरू, 5 से 15 मार्च तक होगा बूटा कटाई

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में तेन्दूपत्ता सीजन 2026 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित बीजापुर को इस वर्ष 1 लाख 19 हजार 500 मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य दिया गया है। बेहतर गुणवत्ता और ज्यादा उत्पादन के लिए संग्रहण से पहले बूटा कटाई कार्य कराया जा रहा है। वन विभाग के मुताबिक पिछले साल की तरह इस बार भी प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से 5 मार्च से 15 मार्च तक शाखकर्तन का काम किया जा रहा है। इसके लिए वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी लगातार निगरानी कर रहे हैं, ताकि काम समय पर पूरा हो सके।

जानकारों का कहना है कि तेन्दूपत्ता तोड़ाई शुरू होने से करीब 45 से 50 दिन पहले-बूटा कटाई करना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। इसलिए इस बार भी इसी समय सीमा को ध्यान में रखकर काम कराया जा रहा है, ताकि पत्तों की अच्छी गुणवत्ता मिल सके और उत्पादन भी बढ़े। संग्रहण वर्ष 2026 के लिए समितिवार और फड़वार शाखकर्तन तथा संग्रहण की पूरी योजना पहले ही तैयार कर ली गई है।

जिन क्षेत्रों में शाखकर्तन होना है, उनका नक्शा भी बनाया गया है, जिससे काम पूरा होने के बाद उसकी जांच की जा सके। फड़मुशी और फड़ अभिरक्षकों को ग्रामीणों से लगातार संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। उनसे कहा गया है कि ग्रामीणों को समझाएं कि महुआ या अन्य वनोपज इकट्ठा करने के लिए जंगल में आग न लगाएं, क्योंकि इससे जंगल, वन्यजीव और पर्यावरण को नुकसान होता है। वन विभाग के अनुसार तेन्दूपत्ता की घनी झाड़ियों को जमीन से करीब एक से दो इंच नीचे तेज धार वाले औजार से काटना ज्यादा बेहतर माना जाता है। इसके लिए छोटी कुल्हाड़ी और फावड़े का उपयोग किया जाता है। शाखकर्तन के बाद झाड़ियों के अवशेषों को करीब एक मीटर दूर हटाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आग लगने का खतरा न रहे। अधिकारियों का कहना है कि इस बार बूटा कटाई कार्य को अभियान के रूप में चलाया जा रहा है, जिससे सही समय और सही तरीके से काम हो सके और आने वाले समय में तेन्दूपत्ता संग्राहकों को इसका ज्यादा फायदा मिल सके।

जिला पंचायत के नवीन भवन हेतु स्वीकृत भूमि का हुआ भूमि पूजन, गांवों के समग्र विकास में जिला पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका - संजय भूषण पाण्डेय

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में जिला पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्रामीण विकास , सुशासन और समाज के अंतिम व्यक्ति तथा गांव की गलियों तक विकास की किरण को पहुंचाने में जिला पंचायत की सक्रिय भागीदारी होता है। नवगठित जिला पंचायत सारंगढ़ बिलाईगढ़ के गठन के बाद नए भवन की आवश्यकता महसूस किया जा रहा था। सरकार ने नवीन जिला पंचायत भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान किया है। इस भवन के निर्माण हो जाने से ग्राम विकास की बातें और लोगों की समस्याओं का त्वरित निदान होगा। उक्त बातें जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने जिला पंचायत भवन निर्माण की भूमि पूजन के अवसर पर जनप्रतिनिधियों,सरपंच,सचिवों को सम्बोधित करते हुए कहा।उन्होने कहा कि जिला पंचायत के माध्यम से कृषि,स्वास्थ्य,पेयजल और शिक्षा जैसे बुनियादी और मूलभूत जैसे कार्यो के लिए योजनाऐं तैयार कर उसका जमीनी स्तर पर शत प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाता है। जिला पंचायत भवन एक ऐसा केंद्र है जहां जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और पंचायती राज व्यवस्था को क्रियाशील किया जाता है। जिससे गांवों का सामाजिक आर्थिक विकास और सुशासन सरल सहज और सुगम होता है। आज के इस गरिमा मयी कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय,जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन,जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक,जिला पंचायत सदस्यगण श्रीमती अभिलाषा नायक,श्रीमती सहोदरा सिदार,श्रीमती शिवकुमारी साहू,श्रीमती सुशीला साहू,श्रीमती भगवतीन पटेल,श्रीमती लता लक्ष्मे,विनोद भारद्वाज पूर्व जिला पंचायत सदस्य कैलाश नायक,मंडल अध्यक्ष राजकिशोर पटेल,गोस्वामी पूर्व महामंत्री गजानंद गड़तिया,कुंज राम पटेल,अनिल साहू जनपद सीईओ नायक,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के प्रभारी कार्यपालन अभियंता श्रीमती खांडेकर ,उप अभियंता गण सरपंच सचिव उपस्थित रहे।

सारंगढ़ बिलासपुर मुख्य मार्ग पर दर्दनाक हादसा, 20 वर्षीय युवक की मौके पर मौत..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ से बिलासपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। चंदाई पेट्रोल पंप के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नीम के पेड़ से जा टकराई। हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार कार में दो लोग सवार थे। वाहन चालक आर्यन अजग्गले, जो सारंगढ़ के खैरहा क्षेत्र निवासी कृष्णा अजग्गले का पुत्र बताया जा रहा है, हादसे में मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं कार में सवार उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल लड़की को तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रायगढ़ रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों भाई-बहन सुबह अपने घर से किसी काम से चंदाई की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई और यह दर्दनाक हादसा हो गया। मृतक आर्यन की उम्र करीब 19 से 20 वर्ष बताई जा रही है, जबकि घायल बहन की उम्र लगभग 16 से 17 वर्ष है। घटना की खबर मिलते ही परिवार और गांव में शोक का माहौल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने वनांचल ग्राम पिरदा के स्वास्थ्य केंद्र और छात्रावास का औचक निरीक्षण किया, कलेक्टर ने दवा भंडार, आयुष्मान कार्ड और बीपी-शुगर मशीन का लिया जायजा

कलेक्टर ने गांव के गर्भवती माताओं के टीकाकरण और पोषण की ली जानकारी

प्रसव सुविधा होने पर गर्भवती माताओं को डिलीवरी के लिए प्रेरित करने दिए निर्देश

छात्रावास का भौतिक सत्यापन कर व्यवस्था का लिया जायजा

एसडीएम बिलाईगढ़ को वन विभाग के पुराने भवन को डिस्मेंटल करने के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ विकासखंड के वनांचल क्षेत्र स्थित पिरदा उप स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध दवाइयों की जानकारी ली तथा आयुष्मान कार्ड के निर्माण और शेष बचे कार्डों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बीपी और शुगर जांच मशीन की भी जांच कराई। इस संबंध में सीएचओ सुषमा काटले ने जानकारी दी। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी रजिस्टर का निरीक्षण किया, जिसमें सीएचओ ने बताया कि यहां बीपी, शुगर, बुखार, सर्दी और खांसी के मरीज ज्यादा इलाज के लिए आते हैं। कलेक्टर ने क्षेत्र की गर्भवती माताओं के बारे में भी जानकारी ली। यहां 52 गर्भवती माताएं पंजीकृत हैं। उप स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद डिलीवरी नहीं होने की जानकारी पर कलेक्टर ने गर्भवती माताओं को डिलीवरी के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने 6 बिस्तर वाले अतिरिक्त कक्ष के बारे में जानकारी ली, जिस पर बताया गया कि भवन अभी तक हैंडओवर नहीं हुआ है। कलेक्टर ने पिरदा स्थित अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास का भी औचक निरीक्षण किया और छात्रावास के संबंध में अधीक्षक श्रीधर सिदार से जानकारी ली। कलेक्टर ने छात्रावास में बिजली, पंखा, रसोईघर तथा भोजन में उपयोग होने वाले मिर्च-मसालों की भी जांच की।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एसडीएम प्रफुल्ल रजक को वन विभाग के पुराने भवन को डिस्मेंटल कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा उपस्थित रहीं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले की एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा अंतर्गत वर्तमान में नवीन स्वीकृत पद एवं रिक्त पद हेतु आ.बा. कार्यकर्ता/सहायिका के पद पर शासन द्वारा निर्धारित निर्देश एवं मानदंडों के अनुसार नियमानुसार नियुक्ति किया जाना हैं। इसके अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना विकासखण्ड बेमेतरा नगर पालिका वार्ड नं. 18 केंद्र क्र. 1 (वर्तमान वार्ड 21) मे आं.बा. कार्यकर्ता के 01 पद, विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम पंचायत खिलौरा एवं विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम पंचायत झिरिया के में आगनबाड़ी केंद्र क्र. 02 पर सहायिका के 01 पद पर आवेदन आमंत्रित किया गया हैं। आवेदन संबंधित नगरीय की आवेदिकाओ द्वारा आवेदन पत्र भरकर निर्धारित तिथि में 12 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय बेमेतरा में कार्यालयीन समय 10:00 से 5:30 बजे तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जमा किये जायेगे। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किये जावेगे। आंगनबाड़ी सहायिका के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं व आगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद हेतु निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12 वी बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए। एक वर्ष या अधिक सेवा अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। आवेदिका को ग्रामीण क्षेत्रों में उसी नगरी वार्ड की स्थानीय निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए विज्ञापन जारी हुआ है। तथा नगरीय क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड हेतु विज्ञापन जारी हुआ है। सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित प्रति के साथ आवेदन पत्र सम्बन्धित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में निर्धारित अंतिम तिथि तक सीधे अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकता है।

कलेक्टर के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर की गई कार्रवाई,11 वाहन जब्त

सक्ती/मूक पत्रिका

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन एवं खनिज अधिकारी श्के. के. बजारे के मार्गदर्शन में खनिज विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खनि निरीक्षक टुमेश ध्रुव एवं खनिज विभाग उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के अलग-अलग स्थानों में जांच कर अवैध खनिज परिवहन के मामलों में कार्रवाई की।

खनिज विभाग जिला सक्ती से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम जैजैपुर में ईट के अवैध परिवहन के 4 प्रकरण, हसौद में रेत के अवैध परिवहन के 2 प्रकरण, बिर्रा में ईट के अवैध परिवहन का 1 प्रकरण, रेत का 1 प्रकरण तथा बोल्डर का 1 प्रकरण और बाराद्वार में अवैध रेत परिवहन के 2 प्रकरण दर्ज किए गए। इन सभी मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 11 वाहनों को जब्त किया गया है। जब्त वाहनों को संबंधित थाना जैजैपुर, हसौद, बिर्रा तथा बाराद्वार में सुरक्षार्थ रखा गया है। अवैध उत्खनन एवं परिवहन के इन प्रकरणों में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध खनिज अमले द्वारा लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

ग्रामीण और जल वाहिनियों को एफ्टीके किट से जल परीक्षण करना सिखाया गया

हरदी में हुआ जल उत्सव और जल अर्पण दिवस का आयोजन

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप के मार्गदर्शन में बिलाईगढ़ विकासखंड के ग्राम हरदी में पंचायत स्तर पर सरपंच, सचिव, पंचगण एवं जल वाहिनियों की उपस्थिति में जल जीवन मिशन अंतर्गत जल उत्सव पखवाड़ा एवं जल अर्पण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा ग्रामवासियों को जल जीवन मिशन योजना की जानकारी, योजना का संचालन एवं संधारण, जल कर संग्रहण, जल का महत्व एवं प्रत्येक घर में सोख्ता गड्ढा बनाने को लेकर विस्तारपूर्वक समझाया गया। ग्राम में लीकेज पहचान कर उनकी मरम्मत का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के अगले चरण में पानी की गुणवत्ता एवं बीमारियों के प्रति जागरूकता लाने हेतु जल वाहिनियों को एफ्टीके किट के माध्यम से जल परीक्षण करना सिखाया गया।तत्पश्चात ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, पंचगण एवं समस्त ग्रामवासियों को ग्राम पंचायत हस्तांतरण कर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

खनिज व राजस्व विभाग को ठेंगा दिखा कर खुलेआम अवैध लाल ईट का निर्माण व्यापार एवं परिवहन जोरों पर

लाल ईट के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने में प्रशासन नाकाम, जिले का सबसे बड़ा अवैध व्यापार सेंद्री में

हसौद/मूक पत्रिका

जिले के हसौद तहसील क्षेत्र में बीते चार-पाँच वर्षो से सेंद्री पंचायत में अवैध रूप से बिना किसी विभागीय अनुमति के लाल ईट का निर्माण कर लाखों-करोड़ों का व्यापार किया जा रहा है। जिससे राजस्व विभाग को हर वर्ष करोड़ों का भारी नुकसान होता आ रहा हैं। तो वही ताजूब की बात यह भी है कि जिन लोगों के द्वारा बिना किसी वैध दस्तावेज के लाखों-करोड़ों का काला कारोबार खुलेआम किया जा रहा है। तो वही जिन लोगों के द्वारा अवैध तरीके से ईट का निर्माण किया जा रहा है उनके गिरेबान तक स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदारों का हाथ ना पहुँच पाना एक बड़ा सवाल बना हुआ है। ऐसा नहीं की इस मामले की जानकारी स्थानीय राजस्व विभाग के अधिकारियों ना हो। इस के बौजूद अवैध तरीके से लाल ईट का निर्माण कर रात दिन सरेआम बिना रॉयल्टी के परिवहन कर प्रति माह लाखों का राजस्व विभाग को चूना लगने वालों के ऊपर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई ना होना विभागीय अधिकारियों के साठगांठ की भूमिका को स्पष्ट आरोपों से दर्शाता है। बता दें सेंद्री में बिना किसी अनुमति एवं बिना किसी वैध दस्तावेज़ के दर्जनों ऐसे लाल ईट का भट्ठा है जहाँ एक भट्ठे में ढाई से तीन लाख तक लाल ईट को पका कर बेचा जा रहा है। तो वहीं सेंद्री में ऐसे 40 से 50 भट्ठे है तो स्पष्ट अंदाजा लगाया जा सकता है की किस तरह लाल ईट का कला साम्राज्य सेंद्री में संचालित हो रहा है। हसौद क्षेत्रवासियों की माने तो यह कहना लाजिमी नहीं होगा की सक्ती जिले में चले वाले ईट भट्ठों का सबसे बड़ा अवैध लाल ईट का कारोबार सेंद्री में संचालित किया जाता है। बता दे खनिज विभाग की इस निष्क्रिय रवैये से रसूखदारों के इस काले व्यापार में प्रति वर्ष दुगने दर से वृद्धि होते जा रहा हैं।

अवैध भट्ठों पर लगाम ना लगने से पीएम आवास के हितग्राहियों का टूट रहा कमर-केंद्र सरकार व राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना नाम का हवाल लेकर लाल ईट के अवैध कारोबारी अपने व्यक्तिगत फायदे व लाखों कमाने के लिए बड़े पैमाने पर व्यापार कर ईट को दुगने दामों पर बेच कर राजस्व विभाग को खुला चूना लगा रहे हैं। जिससे असल पीएम आवास के हितग्राहियों को आवास बनाने और इंठों का दाम देख कर पैरो तले जमीन खिसकने लगा है।

पीएम हितग्राहियों का पक्के घर का सपना भी अब ईट का मंहगाई देख कर अधूरा होने लगा है। सरकार के उम्मीदों और सपनों पर लाल ईट के अवैध कारोबारी बड़े चुनौतियों के रूप में निकल कर सामने खड़े हो रहें है। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मिलने वाली पहली किस्त 40 हजार रुपये से अब घर निर्माण के लिए ईट या अन्य सामग्री खरीदना मुश्किल हो गया है। जिसका सीधा असर पीएम आवास योजना पर पड़ने लगा है।

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
बेमेतरा/रायपुर
www.mookpa...
बेमेतरा, शनिवार 07 ...

प्रति माह राजस्व विभाग को लग रहा लाखों का चूना, सेंद्री में अवैध ईट भट्ठों का काला कारोबार खुलेआम, जिम्मेदार अधिकारी मेहरबान

वन विभाग व पर्यावरण विभाग के बाद अब खनिज विभाग जिले में बना चर्चा का विषय

सक्ति/ हसौद/मूक पत्रिका

फाइल फोटो

सक्ती जिले में जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों के रवैयों को इन दिनों देख कर ऐसा लगने लगा है की वर्तमान छत्तीसगढ़ सरकार की शुसासित नीतियों का कोई असर जिले में पड़ता नजर नहीं आ रहा है। चाहे बात वन पर्यावरण संरक्षण का हो या नदी नालों के समीप नियम विरुद्ध राखड़ पाटने का मामला हो या फिर अवैध ईट भट्ठे का काला कारोबार हो, जिले के जिम्मेदार अधिकारी इन अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में असफल साबित हो रहे हैं।बीते कुछ हफ्तों में सक्ती जिले से कई ऐसे मामले सामने निकल कर आए जो समाचार पत्रों में सक्ति जिले के नाम पर सुर्खियां बटोरा लेकिन दुर्भाग्य वश स्थानीय जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया जस का तस रहा है। यहां अवैध मामलों को लेकर जिम्मेदार सक्षम अधिकारी सिर्फ कागजों पर लीपा पोती करते नजर आ रहे हैं। जिससे स्पष्ट तौर पर अंदाज लगाया जा रहा है कि जिले के ब्लॉक स्तर में मिलीभगत और साठगांठ का जाल किस तरह फैला हुआ है। जिसके कारण जिले में अवैध कारोबारों में लिप्त लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहा है। जिला प्रशासन वन पर्यावरण हो या फिर खनिज संपदा को हनन कर क्षति पहुँचाने वाले कारोबारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने पर शून्य साबित हो रहे हैं। यहाँ स्थानीय जिम्मेदार प्रशासन के अधिकारियों के कार्यशैली लगातार जनमुख पर आरोपों के सवालों से घेरे में नजर आ रहे हैं। बता दे पूरा मामला सक्ती जिले के हसौद तहसील कार्यालय अंतर्गत सेंद्री ग्राम पंचायत से जुड़ा हुआ है जहाँ बीते कई वर्षों से खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग के नाक के नीचे अवैध ईट भट्ठों का काला कारोबार खुलेआम चल रहा है और करोड़ों रुपये की राजस्व की हानि हो रही है। जो बिना खनिज विभाग व बिना पर्यावरण विभाग व बिना किसी अनुमति के अवैध तरीके से लाल ईट का निर्माण कर प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर लाल ईट का निर्माण कर आवास के नाम पर प्रति वर्ष राजस्व विभाग को करोड़ों का व्यापार कर खुलेआम चूना लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। तो दूसरी तरफ चौंकाने की बात ये भी है जिस सोन नदी के नीचे धिवारा-सेंद्री मुख्य मार्ग पर अवैध ईट भट्ठों का संचालन अवैध तरीके से हो रहा है वहाँ से प्रतिदिन राजस्व कर्मचारी का आना जाना लगा रहता है परंतु धृतराष्ट्र की भूमिका निभाकर राजस्व विभाग को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने वाले एवं राजस्व विभाग के आँख में धूल झोंक कर बिना किसी अनुमति के अवैध भट्ठों को संचालित करने वाले संचालकों के इस काले साम्राज्य पर लगाम कसने के बजाय स्थानीय जिम्मेदार भी मेहरबान नजर आ रहे हैं व इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहे है वो समझ से परे है। सूत्रों के मुताबिक बिना किसी अनुमति के निर्माण हो रहें इन अवैध ईट भट्ठों के व्यापारियों के ऊपर स्थानीय तहसील कर्मचारी का भी मिलीभगत का आरोप एवं सवाल लोगों से सुनने को मिला जो आसपास के बताया जा रहा है। जिसके चलते अवैध रूप से लाल ईट निर्माण कर व्यापार कर रहे लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं किया जाता है।जबकि सेंद्री में संचालित होने वाले दर्जनों अवैध ईट भट्ठे खनिज विभाग व पर्यावरण विभाग के नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। गांव के ही रसूखदार व्यक्तिओं के द्वारा खनिज विभाग एवं पर्यावरण विभाग नियम कानून का उल्लंघन कर अवैध रूप से प्रति वर्ष भारी मात्रा पर लाल ईट का निर्माण कर लाखों करोड़ों रुपए का राजस्व विभाग को चूना लगा रहे है। जिसमें जिम्मेदार अधिकारियों की मौन सहमति बनी हुई है। अब देखना ये होगा की इस अवैध कारोबार का मामला प्रकाशन में आने बाद खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी क्या उचित कार्रवाई करते हैं या अन्य मामले की तरह इस मामले को भी सिर्फ कागजों पर लीपा-पोती किया जाएगा?

खनिज विभाग से सम्पर्क कर लीजिये उच्चाधिकारियों के आदेश पर फिर टीम बनाकर कार्रवाई करेंगे।
(रविशंकर राठौर)
तहसीलदार हसौद

हमारे पंचायत द्वारा कोई अनुमति नही दी गई है पूर्व की जानकारी हमें नही है।
विजय भारद्वाज
सरपंच पति ग्राम पंचायत सेंद्री

बेजुबान का दर्द : दबड़े से निहारते मुर्गे अपनों की कत्ल, उन पर क्या बीतती होगी, इतनी क्रूरता के साथ अपने साथी मुर्गे के सामने काटना बंद हो

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

नीलकांत खटकर-हम आज उस बेजुबान के बारे में बात कर रहे हैं जो इंसान बड़े ही चाव के साथ खाते हैं। इसे जन्मदिन,वैवाहिक कार्यक्रम सहित कई पार्टियों में खूब परोसा जाता है। काश खाने के पहले एक बार इंसान सोचता कि इस मासूम को कैसे काटते होंगे इन पर क्या बीतती होगी जब साथी मुर्गे के सामने इसके सर धड़ से अलग किया जाता है खून तार तार किए जाते हैं। इन्हें गर्म पानी में डूबा कर मारना, मशीन चलाकर स्किन निकालना और टुकड़े टुकड़े कर देना इतनी क्रूरता के साथ इन्हें काटे जाते हैं फिर भी खाने वालों का दिल नहीं पजिस्ता। उसके साथी मुर्गे दबडे (मुर्गे रखने के पिंजरे) से बाहर देखता रहता है कि उसके साथी को कितनी क्रूरता के साथ सामने टुकड़े टुकड़े करते हैं। मैं बीते दिनों बहुत करीब से चिकन दुकान जाकर इस दृश्य को देखा तो मेरी रूह कांप गई आप देखना चाहते हैं तो दबडे में रखे मुर्गों को देखना उनकी क्या हालत होती है। मैंने उस दिन देखा कि जब दबडे से दुकान वाला मुर्गा निकाल कर काटने लगे तो उसका साथी मुर्गे ने डरकर पेशाब और मल त्याग दिया तथा आंखों से आंसू निकल रहे थे।यह दृश्य देखकर मैं बहुत दुख हुआ और वहां से चला गया।मेरे मन में विचार आया कि कम से कम इस पर खबर बनाऊंगा। यह क्रूरता मुर्गों के साथ ही नहीं बकरे, भेड़, सुअर, पक्षियों के साथ भी होता है और कत्लखानों में मवेशियों के साथ।ऐसे क्रूरता पर बस इतनी पाबंदी हो कि कम से कम दबडे को दूर रखा जाए साथी मुर्गों के सामने उनके टुकड़े टुकड़े नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए गाइडलाइन बनना चाहिए। प्रतिवर्ष हजारों करोड़ मुर्गे-मुर्गियाँ, बकरे, भेड़ ,सूअर मार दिए जाते हैं। स्थिति यह है कि लोग 'मूली' काटना और 'मुर्गी' काटना एक ही बात समझते हैं। इतनी अधिक मात्रा में इन्हें खाया जाने लगा है कि, लोग यह भूल चुके हैं कि मुर्गियाँ और ये जीव भी जीवित और हमारी ही तरह संवेदनशील प्राणी हैं।इन मासूमों पर होने वाले अत्याचारों की सूची लंबी है। कृत्रिम तरीके से पैदा करना, उन्हें अव्यवस्थित और गंदी जगहों पर रखना, कई तरह की दवाओं का ज़हर उनके शरीर में भर अप्राकृतिक तरीके से जल्दी-जल्दी बड़ा करना, और मात्र 40- 45 दिनों में ही उनकी गर्दन धड़ से अलग कर देना। इंसानों को केवल अपने स्वाद, अपने स्वार्थ से मतलब है। कृपया ऐसी अमानवीयता पर केवल 5 फीसदी इंसान विचार करते तो इनकी जान तो नहीं बचती लेकिन खुलेआम हो रही क्रूरता बंद हो जाती ।कृपया स्वयं को इन बेजुबानों के स्थान पर रखकर देखें। जिन्हें पैदा ही किया जाता है गर्दन पर छूरी चलाकर काटने के लिए । लालची इंसान भूख मिटाने के लिए इन बेजुबानों को क्रूरता पूर्वक काटता है एक बार आप भी करीब जाकर इनकी दशा देखेंगे तो आप इसे खाना बंद कर देंगे। कृपया जियें और जीने दें। आपमें थोड़ी इंसानियत हैं तो इन पर दया और मानवता दिखाएं।

माताओं की सहभागिता से सजा शिक्षा का आंगन, कन्या आवासीय विद्यालय में 'अंगना मा शिक्षा' कार्यक्रम

बीजापुर/मूक पत्रिका

कन्या आवासीय विद्यालय बीजापुर में बुधवार को जिला स्तरीय ÷अंगना मा शिक्षा एवं माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम÷ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी और पार्षदों ने दीप प्रज्वलित कर की। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताओं ने भाग लिया। इस दौरान माताओं का सम्मान किया गया और शिक्षा से जुड़ी कई गतिविधियां आयोजित की गईं।

साथ ही फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी (एफएलएन) मेला भी लगाया गया, जिसमें बच्चों की पढ़ाई से जुड़े अलग-अलग स्टॉल लगाए गए। अतिथियों और माताओं ने स्टॉलों का अवलोकन कर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को समझा। समापन अवसर पर डीईओ लखन लाल धनेलिया और डीएमसी गुडला शंकर रेड्डी ने माताओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा में माताओं की भूमिका सबसे अहम होती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में एपीसी विजेंद्र सिंह भदौरिया, बीआरसी राजेश मिश्रा, उमेश्वरी साहू, वसीम खान, रमन झा सहित शिक्षा विभाग के कर्मचारियों का सहयोग रहा।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने मंथन, जिलाध्यक्ष ताराचंद देवांगन से नेताओं की अहम मुलाकात

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी सारंगढ़-बिलाईगढ़ के जिलाध्यक्ष ताराचंद देवांगन से जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मुलाकात कर संगठन को मजबूत बनाने और क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष डॉ. गौरी शंकर पटेल एवं जिला सचिव पवन नायक ने जिलाध्यक्ष से मिलकर कांग्रेस संगठन के हित में कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने तथा उन्हें सक्रिय रूप से जोड़ने के विषय पर विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं और उन्हें सम्मान व सक्रिय भूमिका देने से संगठन और अधिक मजबूत होगा। इस अवसर पर क्षेत्र में जनता से जुड़े मुद्दों और समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया, जिनके समाधान के लिए आगे ठोस पहल करने पर सहमति बनी। जिलाध्यक्ष ताराचंद देवांगन ने भी संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता की आवाज को बुलंद करने वाली पार्टी रही है और कार्यकर्ताओं के सहयोग से ही संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। बैठक का माहौल काफी जोशीला और सकारात्मक रहा, जहां सभी नेताओं ने संगठन को मजबूत करने तथा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। नेताओं ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता के समर्थन से संगठन और अधिक सशक्त होगा।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने की जांच, 20 बोरी पानी पाउच जब्त

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर अभिहित अधिकारी भारत भूषण पटेल के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम द्वारा टेंगनापाली सारंगढ़ में संचालित श्री राधे फूड्स का निरीक्षण किया गया तथा अनिमियता पाए जाने पर 20 बोरी पानी पाउच जब्ती की गई तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत खाद्य नमूना परीक्षण हेतु लिया गया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। विभागीय दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शांतनु भट्टाचार्य व खाद्य सुरक्षा अधिकारी वरुण पटेल शामिल थे। आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ में खाद्य एवं औषधि विभाग के द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए विद्यार्थी शीघ्र करें आधार सीडिंग और बैंक खाता का त्रुटि सुधार

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों एवं आईटीआई में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों का सत्र 2025-26 में आनलाईन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कालेज स्तर) का भुगतान आधार सीडिंग बैंक खाता में किया जा रहा है। जिले के ऐसे विद्यार्थी जिनकी छात्रवृत्ति आधार सीडिंग अनएक्टिव होने, बैंक खाता क्रमांक त्रुटिपूर्ण होने अथवा बैंक खाता बंद होने के कारण प्राप्त नहीं हुई है, ऐसे विद्यार्थी तत्काल अपने छात्र आईडी के माध्यम से आनलाईन त्रुटि सुधार करें। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि आधार से लिंक (सीडिंग) किए गए सही एवं सक्रिय बैंक खाते की प्रविष्टि अनिवार्य रूप से जितनी जल्दी करे। साथ ही कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ में कार्यालय समय में उपस्थित होकर आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकते है।

आठवें केंद्रीय वेतन आयोग द्वारा 30 अप्रैल तक हितधारकों से सुझाव आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग ने वेबसाइट पर सेवारत कर्मचारियों, पेंशनभोगियों के संघों, यूनियनों, संगठनों, संस्थानों के साथ-साथ कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और इच्छुक व्यक्तियों से ज्ञापन, सुझाव आमंत्रित करने के लिए एक ऑनलाइन प्रारूप उपलब्ध कराया है। 30 अप्रैल 2026 तक राय और सुझाव दिए जा सकेंगे।

देवकर में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण, पानी कि स्वच्छता एवं गुणवत्ता चेक करी

नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने ओवरहेड टैंक व घरों तक पहुंच रहे पानी की जांच की

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पंचायत देवकर के वार्ड क्रमांक 03 सहित विभिन्न वार्डों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का संयुक्त निरीक्षण किया गया। नगर पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में हाई स्कूल के पास स्थित 240 केएलडी क्षमता वाले ओवरहेड टैंक तथा घरों तक पहुंच रहे पानी की स्थिति का स्थल पर परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जलापूर्ति व्यवस्था की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन किया गया। साथ ही वार्डों में घर-घर पहुंच रहे पानी की गुणवत्ता की भी जांच की गई। निरीक्षण में पाया गया कि नगर पंचायत क्षेत्र में सप्लाई किया जा रहा पेयजल साफएवं उपयोग योग्य है। किसी भी स्थान पर गंदे या बदबूदार पानी की आपूर्ति होने की पुष्टि नहीं हुई। निरीक्षण के दौरान देवकर निवासी मिथुन राजपूत, कृष्णा सिन्हा, आशीष पटेल तथा गौतम जैन सहित अन्य नागरिकों के घरों में लगे नलों से आने वाले पानी का भी परीक्षण किया गया। सभी स्थानों पर पानी स्वच्छ पाया गया और नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति होने की पुष्टि हुई। जलापूर्ति व्यवस्था के तहत हाई स्कूल के पास स्थित ओवरहेड टैंक की भी जांच की गई। टैंक के पानी की गुणवत्ता का परीक्षण करने पर किसी भी प्रकार की गंदगी या दुर्गंध नहीं पाई गई। निरीक्षण में यह भी स्पष्ट हुआ कि जलापूर्ति प्रणाली के माध्यम से प्रदूषित पानी सप्लाई होने की कोई स्थिति नहीं है। नगर पंचायत द्वारा किए गए स्थल निरीक्षण के आधार पर यह स्पष्ट किया गया है कि देवकर नगर में आपूर्ति किया जा रहा पानी पूर्णतः स्वच्छ एवं सुरक्षित है। वर्तमान में जलापूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रही है तथा नागरिकों को साफ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्व सहायता समूह से जुड़कर कांसाबेल की महिलाओं ने स्वरोजगार की राह अपनाई

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन दृ बिहान योजना के तहत जशपुर जिले की ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की मिसाल गढ़ रही हैं। कांसाबेल विकासखंड के ग्राम सेम्हर कछार की हरियाली स्वसहायता समूह की 11 महिलाओं ने छिंद कासा से आकर्षक टोकरी और अन्य पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद तैयार कर अपनी आजीविका को मजबूत किया है। समूह की सदस्य मती बालमुनि भगत ने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार का अवसर मिला। पहले महिलाएं केवल घरेलू कामकाज तक सीमित थीं, लेकिन अब वे अच्छी कमाई कर रही हैं। यह कार्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी दे रहा है। महिलाओं ने बताया कि बिहान योजना ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। समूह के माध्यम से प्रशिक्षण, सहयोग और विपणन सुविधा मिलने से उनका उत्पाद अब स्थानीय हाट-बाजार और मेलों में लोकप्रिय हो चुका है। महिलाएं कहती हैं कि अब वे सिर्फ घर तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि अपनी पहचान खुद बना रही हैं। समूह की दीदियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं से हम सशक्त और आत्मनिर्भर हो रहे हैं।

बेमेतरा नगरीय क्षेत्र में जमीन की नई गाइडलाइन दरें लागू, पूर्व वर्षों की दरों के आधार पर संशोधित दरें निर्धारित, औसतन 46.5 प्रतिशत वृद्धि

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा नगरीय क्षेत्र में वर्ष 2025ङ्क26 के लिए जमीन की नई गाइडलाइन दरें निर्धारित कर लागू कर दी गई हैं। उप पंजीयक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नई दरों का निर्धारण पूर्व में लागू वर्ष 2019ङ्क20 की गाइडलाइन दरों, प्रस्तावित संशोधनों तथा क्षेत्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। नई दरों के अनुसार नगरीय क्षेत्र में औसतन लगभग 46.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कार्यालय उप पंजीयक, बेमेतरा द्वारा जारी जानकारी के अनुसार विभिन्न वार्डों की दरों में आवश्यक संशोधन किया गया है ताकि वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप गाइडलाइन दरें निर्धारित की जा सकें।शहीद हेमू कल्याणी वार्ड में वर्ष 2019ङ्क20 में गाइडलाइन दर 18,500 रुपये थी। 20 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित दर 11,400 रुपये (लगभग 38 प्रतिशत कम) रखी गई थी। वर्तमान में संशोधित दर 22,500 रुपये निर्धारित की गई है, जो लगभग 22 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है।इसी प्रकार शहीद हेमू कल्याणी वार्ड की दूसरी श्रेणी में वर्ष 2019ङ्क20 में दर 31,000 रुपये थी। 20 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित दर 25,200 रुपये (लगभग 19 प्रतिशत कम) निर्धारित की गई थी, जिसे संशोधित करते हुए अब 38,000 रुपये तय किया गया है, जो लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।रानी लक्ष्मी बाई वार्ड में वर्ष 2019ङ्क20 में दर 29,000 रुपये थी। 20 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित दर 37,200 रुपये (लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि) निर्धारित की गई थी। वर्तमान में संशोधित दर 58,000 रुपये तय की गई है, जो लगभग 100 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है। इस वार्ड की संबंधित कैटेगरी में पूर्व में गाइडलाइन दर का उल्लेख नहीं होने के कारण दरों का पुनः समायोजन किया गया है।बाबासाहेब वार्ड में वर्ष 2019ङ्क20 में गाइडलाइन दर 65,000 रुपये थी। 20 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित दर 37,200 रुपये (लगभग 42 प्रतिशत कम) रखी गई थी, जिसे संशोधित करते हुए अब 84,000 रुपये निर्धारित किया गया है। यह लगभग 29 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है।इसी प्रकार मरिजज वार्ड में वर्ष 2019ङ्क20 में गाइडलाइन दर 74,000 रुपये थी। 20 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित दर शून्य रखी गई थी क्योंकि उस समय रोड श्रेणी के अंतर्गत नया परिसीमन नहीं हुआ था। वर्तमान गाइडलाइन में वर्ष 2019ङ्क20 की रोड दर को आधार मानते हुए संशोधित दर 88,800 रुपये (लगभग 20 प्रतिशत वृद्धि) निर्धारित की गई है। उप पंजीयक कार्यालय के अनुसार नई गाइडलाइन दरों का उद्देश्य संपत्ति पंजीयन की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। संशोधित दरों के लागू होने से भूमि के मूल्यांकन में स्पष्टता आएगी तथा पंजीयन प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित किया जा सकेगा।

लोगों से सावधानी बरतने की अपील

भीषण गर्मी में सतर्क रहें, लू से बचें, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

जशपुरनगर/मूक पत्रिका

जिले में बढ़ते तापमान और गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने आम नागरिकों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में विशेष सावधानी बरतें, क्योंकि लू लगने से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

लू के लक्षण -स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गर्मी बढ़ने के साथ लू लगने की घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। सीएमएचओ ने बताया कि लू लगने पर सिर में भारीपन और दर्द, तेज बुखार, मुंह सूखना, चक्कर आना, उल्टी होना, कमजोरी और शरीर दर्द, शरीर का तापमान बढ़ने के बावजूद पसीना न आना, अत्यधिक प्यास लगना, पेशाब कम होना, भूख न लगना तथा बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

लू से बचाव के उपाय-सीएमएचओ ने बताया कि बहुत आवश्यक न हो तो लोग दोपहर के समय घर से बाहर न निकलें। धूप में जाने से पहले सिर और कान को कपड़े से अच्छी तरह ढंक लें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, लंबे समय तक धूप में न रहें और मुलायम, हल्के व सूती कपड़े पहनें, ताकि शरीर को ठंडक मिलती रहे। अधिक पसीना आने पर ओआरएस घोल पीना लाभकारी है। चक्कर या उल्टी आने की स्थिति में छायादार स्थान पर आराम करें और शीतल पेयजल, लस्सी, मठा अथवा फलों का रस लें। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केंद्र से निःशुल्क परामर्श लिया जा सकता है। यदि तेज बुखार, उल्टी या सिरदर्द जैसी स्थिति बने तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करना चाहिए।

लू लगने पर किया जाने वाला प्रारंभिक उपचार -लू लगने की स्थिति में प्रारंभिक उपचार के तौर पर पीड़ित व्यक्ति को ठंडी और छायादार जगह पर लिटाना चाहिए। उसके सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखनी चाहिए तथा शरीर पर ठंडे पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। कच्चे आम का पना, जलजीरा अथवा तरल पदार्थ देने चाहिए। साथ ही पीड़ित को शीघ्र ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए। ओआरएस के पैकेट के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन या एएनएम से संपर्क किया जा सकता है।

क्या करे -सीएमएचओ ने बताया कि गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पीना जरूरी है, भले ही प्यास न लगे। हालांकि जिन लोगों को मिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर संबंधी बीमारी हो तथा जिन्हें तरल सेवन सीमित रखने की सलाह दी गई हो, वे तरल मात्रा बढ़ाने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। ओआरएस, छाछ, लस्सी, नींबू पानी जैसे घरेलू पेय पदार्थों का सेवन शरीर को हाइड्रेटेड रखने में सहायक है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे खुद भी सावधानी बरतें और बच्चों, बुजुर्गों तथा बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें, ताकि लू से बचाव संभव हो सके।

क्या न करें -स्वास्थ्य विभाग ने यह भी सलाह दी है कि धूप में नंगे पांव बाहर न निकलें, दोपहर के समय भोजन पकाने से बचें तथा शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेयों का सेवन कम करें, क्योंकि ये शरीर को निर्जलित करते हैं। अधिक प्रोटीन युक्त भोजन से भी परहेज करने की सलाह दी गई है।

25 मार्च तक ही स्वीकार होंगे वित्तीय वर्ष 2025-26 के देयक : जिला कोषालय

- **वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार उक्त तिथि तक ही कोषालय में देयक प्राप्त किए जाएंगे।**

मुंगेली/मूक पत्रिका

जिला कोषालय मुंगेली में वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट से संबंधित देयकों को स्वीकार करने की अंतिम तिथि 25 मार्च निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार उक्त तिथि तक ही कोषालय में देयक प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्त विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 से संबंधित देयकों को कोषालय में प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25 मार्च तय की गई है। इसके साथ ही ई-संवितरण (ई-पेमेंट) से संबंधित समस्त भुगतानों के लिए देयक स्वीकृति की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है। वित्त विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि 25 मार्च 2026 के पश्चात यदि किसी प्रकरण में स्वीकृति या सहमति जारी की जाती है, तो ऐसे मामलों में उक्त प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

जिला कोषालय अधिकारी दुर्गेश सिंह राजपूत ने जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने सभी लंबित देयकों को निर्धारित तिथि से पूर्व अनिवार्य रूप से कोषालय में प्रस्तुत करें, ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए सभी आवश्यक देयक समय पर जमा करें, जिससे भुगतान प्रक्रिया सुचारु रूप से पूर्ण हो सके।

सम्पादकीय

एजेंडे में नो कॉन्फिडेंस मोशन दूसरे विषय पर करते हंगामा

कांग्रेस के मुद्दों का मजाक कांग्रेस खुद ही बना देती है. बड़े जोर-शोर से लोकसभा स्पीकर के खिलाफ़ कांग्रेस नो कॉन्फिडेंस मोशन लेकर आई. जब सदन के एजेंडे पर चर्चा के लिए यह मोशन आया सरकार तैयार है, आसंदी संकल्प पेश करने का बार-बार आग्रह कर रही है, तो कांग्रेस दूसरे मुद्दे पर हंगामा करने में व्यस्त है..!!

कांग्रेस में जब माहौल मजाकिया बना हुआ है, तो कई बार गंभीर नेता भी गंभीर मुद्दों पर मज़ाकिया लहज़े का सहारा लेने लगते हैं. कोई दबाव नहीं था, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रिटायरमेंट प्लान पर एक वीडियो पोस्ट किया. अटकलें चालू हुईं कि शायद वह रिटायरमेंट का सोच रहे हैं. अब वह खुद ही मीडिया के सामने कह रहे हैं कि वे अंतिम सांस तक पार्टी की सेवा करते रहेंगे. उनके बारे में निर्णय एआईसीसी और पीसीसी को लेना है. यह कोई नई बात नहीं है. अब तक भी उनको लेकर जो फैसले हुए थे वह संगठन ने ही लिए थे.

राहुल गांधी जिस सदन के सदस्य हैं उसके कस्टोडियन स्पीकर पर ही नो-कॉन्फिडेंस का मोशन मजाक में ला दिया गया. जब स्पीकर ने उसे चर्चा के लिए स्वीकार कर लिया, जब से वह मोशन आया तब से स्पीकर लोकसभा संचालन नहीं कर रहे हैं. वे अपनी निष्पक्षता और लोकतांत्रिक नैतिकता साबित करना चाहते हैं, इसीलिए पीठासीन अधिकारी सदन चला रहे हैं.

बजट सत्र का दूसरा भाग जब प्रारंभ हुआ, तब पहले दिन ही सदन के एजेंडे में स्पीकर के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन को शामिल किया गया. कांग्रेस उससे भागने लगी. दूसरे मुद्दों पर सदन में हंगामा करने लगी. पूरी कार्यवाही टीवी पर चलती है. पूरा देश देखता है. अगर कांग्रेस को ऐसा लगता है कि नो कॉन्फिडेंस मोशन का उसका मूव सही नहीं है, तो फिर उसे वापस लेने का साहस दिखाना चाहिए. नो कॉन्फिडेंस मोशन पर चर्चा के लिए निर्धारित पहला दिन तो बिना चर्चा के समाप्त हो गया है. अगले दिन भी चर्चा हो पाएगी, इसमें संदेह है. सरकार इसलिए निश्चिंत है कि इस मोशन से ना सरकार को कोई नुकसान है और ना ही स्पीकर पर इसका कोई प्रभाव होगा. कांग्रेस का मोशन कांग्रेस के लिए ही मजाक बन गया है.

कांग्रेस में संगठन राहुल गांधी से शुरु और वहीं खत्म होता है. उनकी मंशा ही संगठन का मोटिव होता है. उनकी किचन कैबिनेट में कोई भी यह कहने की हिम्मत नहीं कर सकता कि उनका कोई मूव पार्टी के लिए नुकसानदेह है. राहुल गांधी जितने भी मुद्दे खड़े करते हैं, सब दो-चार दिन चर्चा के बाद मजाक का विषय बन जाते हैं. मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान को भी कांग्रेस ने जन आंदोलन बनाने का प्रयास किया. जिससे बाद में पीछे हटना पड़ा. बजट सत्र के पहले भाग में जिस पुस्तक को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा हंगामा किया गया, उस अप्रकाशित पुस्तक के राहुल गांधी के हाथों तक पहुंचने की वास्तविकता की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है. नीति और विचारधारा पर कांग्रेस में ना कोई सोचता है और ना ही फैसला करता है. राहुल गांधी को जो अच्छा लगता है, वहीं कांग्रेस का फैसला होता है. राज्यसभा निर्वाचन में भी कई नेताओं की निराशा इन शब्दों में सामने आई है. जिससे यही लगता है कि उनकी मेहनत के साथ मजाक हुआ है. राहुल गांधी के सारे नेरेटिव वक्त के साथ गलत साबित हो जाते हैं. अमेरिका के साथ ट्रेड डील में भी ऐसा ही हुआ है. अब तक जो डील फाइनल नहीं हुई है, उसके खिलाफ़ राहुल गांधी भोपाल में किसान महापंचायत कर चुके हैं. फिर उसके बाद उस मुद्दे को भूल गए हैं. अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध में कांग्रेस ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी है, वह पार्टी के साथ एक मजाक जैसा ही है. पार्टी केरल में चुनावी जीत की उम्मीद लगाए बैठी है. ईरान खाड़ी देशों पर हमले कर रहा है. इन देशों में एक करोड़ भारतीय निवास करते हैं और रोजगार करते हैं. कांग्रेस में यही कोई सोचने वाला नहीं है कि खाड़ी देश में रहने वाले अधिकांश मुस्लिम हैं और वह केरल से आते हैं. उनके परिवार केरल में बेचैनी में जी रहे हैं और कांग्रेस खाड़ी देशों पर हमला करने वाले ईरान के साथ खड़ी हुई है. इसके लिए तो कांग्रेस की सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी ने बाकायदा अखबारों में आर्टिकल लिखे. इस युद्ध पर मुस्लिम वर्ल्ड विभाजित है, लेकिन कांग्रेस इस विभाजित वर्ल्ड में भी मुस्लिम वोट बैंक की संतुष्टि के लिए ईरान के साथ खड़े होने में अपनी भलाई देख रही है. कांग्रेस में वैसे तो सीनियर नेता चुप्पी साधे हुए हैं, कोई भी किसी विषय पर अपने विचारों को राहुल गांधी की मर्जी के साथ मिलने में ही अपना हित मानता है. दिग्विजय सिंह जैसे चतुर पॉलीटिशियन ने अपने रिटायरमेंट प्लान की मैसेजिंग के लिए सोशल मीडिया पोस्ट का उपयोग किया. जब उन्होंने महसूस किया कि मैसेजिंग का वहां कोई मतलब है, जहां उसे गंभीरता के साथ महत्व दिया जाता हो. जहां नेता के पार्टी में योगदान और कुर्बानियों को परखा जाता हो, जहां पार्टी केवल पद तक ही सीमित रह गई हो वहां तो वैचारिक प्रतिबद्धता, सिनियरटी और अनुभव को खास महत्व नहीं मिलता है.

जब स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस कांग्रेस लाई है तो फिर उस पर खुलकर तथ्यों के साथ चर्चा करना ही चाहिए. कांग्रेस शायद डर रही होगी, कि हर बार की तरह नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर भी उसके इतिहास और संस्कार पर ही हमला ना हो जाए. कांग्रेस को यह समझना पड़ेगा कि वह विरोधी दल जरूर है, लेकिन भारत में उनसे ज्यादा सरकार किसी पार्टी ने नहीं चलाई है. सरकारें चलाने वाली पार्टी को विरोध की राजनीति गंभीरता और परिपक्वता से ही चलानी पड़ती है. अगर इसमें मजाकिया लहज़ा चलता रहा तो पार्टी ही मजाक का विषय बन जाती है. कांग्रेस के वर्तमान राजनीतिक हालात मज़ाकिया लहजे और मुद्दों की ही सज़ा लगती है।

राजनीतिक अपराधीकरण, खतरे का लोकतांत्रिक आवरण

● सरयूसुत मिश्रा

विधानसभा चुनाव नामांकन फार्म में आपराधिक रिकॉर्ड छुपाने पर हाईकोर्ट ने प्रदेश के कांग्रेस विधायक का निर्वाचन रद्द कर निकटतम प्रत्याशी को विजयी घोषित कर दिया गया. हालांकि विधायक को सुप्रीम कोर्ट में जाने का मौका भी दिया है..!!

इस तरह विजयपुर उपचुनाव का अंतिम निर्णय सर्वोच्च अदालत में होगा. इस चर्चित उपचुनाव में कांग्रेस से ही बागी हो बीजेपी में शामिल तत्कालीन मंत्री रामनिवास रावत के खिलाफ कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा मैदान में थे. परिणाम कांग्रेस के पक्ष में गया. रावत को मंत्री पद छोड़ना पड़ा. इतने कशमकश भरे चुनाव में राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस का प्रत्याशी नामांकन फार्म में आपराधिक रिकॉर्ड छुपाने का दोषी साबित हो जाए यह प्रत्याशी के साथ ही कांग्रेस पर भी बड़ा सवाल है.

अब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष इसे आदिवासी अस्मिता से जोड़ रहे हैं. जिस उच्च न्यायालय ने ये निर्णय दिया वह तो आदिवासी विरोधी नहीं हो सकती. चुनाव में बीजेपी ने जरुर कांग्रेस को हराया लेकिन अदालत में अपनी गलती से हारने पर अदालत पर ही प्रश्न चिन्ह लगा आदिवासी अस्मिता का दांव कांग्रेस की ही कमजोरी लगती है.

राजनीति का अपराधीकरण बड़े खतरे के रूप में लोकतंत्र को निगल रहा है. पहले तो आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी देने की भी व्यवस्था नहीं थी. राजनीतिक सरकारों ने तो इस पर पहल करना भी उचित नहीं समझा था. भला हो सुप्रीम कोर्ट का जिसने लोकतांत्रिक सुधार के लिए चुनाव में आपराधिक रिकॉर्ड उजागर करने को अनिवार्य बनाया. समाचार पत्रों में भी सार्वजनिक रूप से इसकी जानकारी देने की प्रक्रिया निर्धारित की ताकि मतदाता जिसे प्रतिनिधि के रूप में चुनने जा रहे हैं उसका आपराधिक रिकॉर्ड जान सकें?

इस सुप्रीम व्यवस्था से ही लोकसभा और विधानसभाओं में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक हो सके हैं. वर्तमान में 45% विधायकों और 46% सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं. यह आंकड़े साबित करते हैं कि आपराधिक पृष्ठभूमि चुनाव में मदद करती है. ऐसे भी उदाहरण हैं, जब गंभीर अपराधों में जेलों में बंद लोग भी चुनावी प्रक्रिया का सामना कर जीत जाते हैं.

उच्च अदालत के इस फैसले में जो आपराधिक रिकॉर्ड छुपाया गया है वह कोई बहुत गंभीर अपराध का नहीं है. लेकिन अपराध छोटा हो या बड़ा, क्या लोकतंत्र ऐसे जनप्रतिनिधि को बनाए रखने के बारे में सोच सकता है जो चुनावी प्रक्रिया में ही कानून का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं है. चुनाव बाद जिसे जनता के लिए कानून निर्माण की प्रक्रिया में शामिल होना है कम से कम उससे तो यही अपेक्षा की जा सकती है कि वह स्वयं को कानून को लेकर गंभीर हो. संसदीय लोकतंत्र में हिस्सेदारी के लिए अगर वह आगे आ रहा है तो ट्रांसपेरेंसी मेंटेन करनी होगी. इस मामले में अदालत का फैसला क्योंकि विधानसभा के सदस्यता रद्द करने का है इसलिए संबंधित विधायक और कांग्रेस को दर्द स्वाभाविक है. एक विधायक की हार या जीत से कांग्रेस की सेहत पर फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन अदालत का निर्णय उसके लिए बड़ा सबक है. हर पार्टी में लीगल सेल है. इसके बावजूद नामांकन फॉर्म में इतनी बड़ी गलती की उम्मीद तो नहीं की जा सकती.

चुनाव के पहले आपराधिक रिकार्ड को सार्वजनिक करना अनिवार्यता है, लेकिन चुने जाने के बाद लोकतंत्र के साथ जो अपराध किया जाता है उसे सियासत में दबाने की पूरी कोशिश होती है. सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों और विधायकों के आपराधिक मामलों पर त्वरित निर्णय के लिए विशेष कोर्ट भी स्थापित की है. यह भी प्रावधान महत्वपूर्ण है कि किसी भी आपराधिक मामले में दो साल की सजा पाने वाले व्यक्ति की सदस्यता समाप्त हो जायेगी और चुनाव लड़ने की पात्रता भी नहीं होगी. अगर अदालत से इतना चेक एंड बैलेंस नहीं लगाया गया होता तो फिर राजनीति किस सीमा तक लोकतंत्र को अपने पैरों से कुचलती इसकी कल्पना की जा सकती है.

बिना किसी प्रमाण के आरोप लगाना अपराध की ही श्रेणी में आता है. विधानसभा और संसद को इम्यूनिटी प्राप्त है. वहां कही बात पर कोई भी मुकदमा नहीं चलाया जा सकता. इसका कितना दुरुपयोग होता है यह देश जानता है. संविधान के प्रत्येक अंग पर राजनीतिक आक्षेप लगाना आम बात है. जनप्रतिनिधियों के राजनीतिक आचरण अब सामान्य आचरण से मेल नहीं खाते हैं. अगर कोई व्यक्ति तथ्यों के खिलाफ बोलता है, जिससे किसी के सम्मान को ठेस पहुंचती है, तो उसे समाज स्वीकार नहीं करता. राजनीति इसके विपरीत आचरण करती है, अब तो ऐसी प्रवत्ति है कि कौन कितना विभाजनकारी और हल्का काम कर सकता है. लक्ष्य केवल चुनावी जीत की संभावना है. सियासत में इसके लिए दुराचरण भी क्षम्य है.

आपराधिक रिकॉर्ड छुपाना करप्ट प्रैक्टिसेस में शामिल है, किसी ने छुपा लिया तो वह अदालत से जीरो घोषित कर दिया जाएगा लेकिन भले ही कोई अपराधी हो लेकिन जिसने प्रक्रिया का पालन कर आपराधिक रिकॉर्ड बताया है, तो वह सियासत का हीरो भी बन सकता है. देश की संसदीय व्यवस्था में अपराध का रिकॉर्ड सार्वजनिक होने मात्र से किसी सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती. अब इससे आगे बढ़ने की जरूरत है.

गंभीर अपराधों में शामिल व्यक्तियों को चुनाव लड़ने रोका जाना चाहिए. अभी तो यह भी व्यवस्था नहीं है कि किसी भी जांच प्रक्रिया में अगर मंत्री और मुख्यमंत्री जेल चला जाता है तो उसे अपने पद से त्यागपत्र देना जरूरी हो. दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने तो जेल में रहते हुए राज्य सरकार चलाई थी. केंद्र सरकार इस दिशा में एक विधेयक लेकर आई है, जिसमें 30 दिन तक जेल में रहने पर प्रधानमंत्री और मंत्रियों को अपने पद से हटना होगा. इसका भी राजनीतिक विरोध हो रहा है.

किसी भी ऐसे प्रावधान का दुरुपयोग हो सकता है, लोकतंत्र में तो जनादेश पर ही सरकार बनती है. सरकारें बदलती रहती है केवल प्रावधानों के दुरुपयोग के डर से सही प्रावधान न किया जाए तो यह लोकतंत्र पर ही प्रहार है.

सरकार से ममता राष्ट्रपति से कटुता

● सरयूसुत मिश्रा

संविधान के नाम पर बनी सरकार देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति पद की गरिमा और सम्मान के खिलाफ़ काम करने से भी नहीं चूकती. राष्ट्रपति और राज्य के मुख्यमंत्री के बीच प्रोटोकॉल और कार्यक्रम स्थल बदलने पर सामने आया नज़ारा व्यक्तियों से ज्यादा संविधान का अनादर कर रहा है..!!

आदिवासी, महिला राष्ट्रपति बंगाल में इंटरनेशनल संथाल कॉन्फ्रेंस में पहुंचती हैं. बंगाल सरकार बिना वाजिब कारण के उनका कार्यक्रम स्थल बदल देती है. राष्ट्रपति भी पुराने कार्यक्रम स्थल को देखने पहुंच जाती हैं. कि कहीं वह स्थान छोटा तो नहीं है. जब उन्होंने देखा कि आदिवासी समाज के कार्यक्रम के लिए सर्वाधिक उपयुक्त स्थल को बदल गया है. तो उन्होंने अप्रसन्नता व्यक्त की.

आदिवासी समाज का भोलापन नहीं होता तो शायद वह अपनी टिप्पणी को टाल भी सकती थीं, लेकिन सीएम ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति पर जो टिप्पणी की, वह सियासी कुमति का सबसे बड़ा उदाहरण है. राष्ट्रपति राजनीति का पद नहीं है. राजनीति उसे चुनती जरूर है, लेकिन वह संविधान का संरक्षक होता है. सियासत में संविधान की माला सभी जपते दिखना चाहते हैं, लेकिन आचरण तो संविधान के सम्मान पर ग्रहण लगाता ही दिखाई पड़ता है. महिला आदिवासी और राष्ट्रपति के अपमान का मामला हो तो फिर ममता को घेरने में बीजेपी कैसे पीछे रह सकती है. पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए इस दुर्भाग्यजनक घटना को संविधान की आत्मा पर हमला बताया. सरकारों के लिए ईश्वर-अल्लाह संविधान ही होता है. संविधान से ही सरकारों को शक्ति और काम करने का अवसर मिलता है. संविधान गरिमा और मर्यादा के अनुरूप सरकार चलाने की सन्मति प्रदान करता है. सियासी कुमति से संवैधानिक सन्मति सदमे में है. चुनाव के लिए कोई भी आचरण क्या सही माना जा सकता है? ममता बनर्जी स्वयं राष्ट्रपति के साथ हुए घटनाक्रम को बंगाली अस्मिता के साथ जोड़ने की कोशिश कर रही हैं. यह मुद्दा भी चुनाव में ममता सरकार के अहंकार को स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है.

ममता बनर्जी राष्ट्रपति के कार्यक्रम में न स्वयं पहुंचती है और न ही प्रोटोकॉल में किसी मंत्री को भेजती हैं. यह उनकी कार्यशैली का हिस्सा है. ऐसी घटना पहली बार नहीं हुई है. बंगाल में बाढ़ के समय जब पीएम नरेंद्र मोदी निरीक्षण के लिए गए थे, इसके उपरांत समीक्षा के लिए बैठक में बंगाल के मुख्य सचिव को बुलाया गया था. ममता बनर्जी ने सीएस को जाने से रोक दिया था. जिस पर भारत सरकार के कड़े रुख के कारण सीएस ने त्यागपत्र दे दिया था. ममता बनर्जी ने उन्हें अपना सलाहकार बना लिया था. राजनीतिक दलों में टकराहट तो स्वभाविक हो सकती है, लेकिन संवैधानिक रूप से बनी सरकार केंद्र की सरकार राज्यपाल और राष्ट्रपति के साथ टकराहट का रुख अपनाए यह तो संविधान की भावना के पूरी तरह से खिलाफ है. ममता बनर्जी राजनीतिक रूप से क्रांतिकारी रही हैं. उनकी सफलता आक्रामकता पर ही खड़ी है. उसी से उन्होंने वामपंथी सरकार का परिवर्तन किया. क्रांतिकारी ममता अब अपरिवर्तनकारी हो गई हैं. इसे बंगाल का ही कैरेक्टर कहा जाएगा कि ममता बनर्जी बामपंथी सरकार के खिलाफ़ आंदोलन की क्रांति की थी, जिन कारणों पर अपना आंदोलन खड़ा किया था, उनकी सरकार आने पर सरकार की कार्यशैली में वह सभी कारण न केवल विद्यमान हैं, बल्कि उनमें वृद्धि हुई है. पूरे देश में राजनीति में हिंसा लगभग समाप्त हो गई है. केवल बंगाल अकेला राज्य है जहां हिंसक राजनीति अभी भी चल रही है.

सीएम ममता बनर्जी एसआईआर के खिलाफ धरना दे रही हैं. वह स्वयं सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ पैरवी करने पहुंच गईं. मुख्य निर्वाचन आयुक्त को काले झंडे बंगाल में ही दिखाए जा सकते हैं. देश के दूसरे राज्यों में एसआईआर का विरोध विपक्षी दल कर रहे हैं. राज्य सरकार के रूप में विरोध का माहौल केवल बंगाल में ही दिखाई पड़ता है. विरोधी दलों की तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में सरकारें हैं, फिर भी वहां एसआईआर की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो जाती है. सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर के लंबित मामलों पर निर्णय देने के लिए न्यायिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. अब जब न्यायिक अधिकारी अंतिम निर्णय कर रहे हैं, तब भी ममता बनर्जी को इस पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह है. बंगाल में चुनाव की प्रक्रिया भी विलंबित होती जा रही है. नई विधानसभा निर्धारित तिथि 7 मई तक गठित हो जाएगी, इसमें भी संदेह दिखाई पड़ रहा है. पिछले चुनाव मेंबंगाल में चुनाव फरवरी के अंतिम सप्ताह में घोषित हो गया था. अभी तो एसआईआर की प्रक्रिया ही पूरी नहीं हुई है. बंगाल में चुनाव समय से पूरे करने के लिए सुप्रीम कोर्ट या भारत सरकार को निर्णय करने की ज़रूरत पड़ सकती है.

ममता बनर्जी तीन टर्म से राज्य की सीएम हैं. चौथे कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में जाएंगी. किसी भी पार्टी के लिए इतना लंबा कार्यकाल राज्य के विकास के लिए मील का पत्थर होना चाहिए. इसके विपरीत बंगाल की स्थिति चिंतनीय बनी हुई है. सरकारी प्रक्रिया में करप्शन ने तो सारी हदें पार कर दी हैं. भार्तियों में भ्रष्टाचारऔर मंत्रियों से जुड़े ठिकानों से करोड़ों रुपयों की जब्ती देश ने देखी है. वोट बैंक पॉलिटिक्स का सबसे बड़ा केंद्र बंगाल ही बना हुआ है.

राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल और उनकी गरिमा पर बंगाल सरकार और सीएम ममता बनर्जी का रवैया उनकी तानाशाही प्रवृत्ति को दिखाता है. जब संविधान का संरक्षक ही उनकी राजनीति का शिकार बन जाता है तो फिर राजनीतिक दलों में संघर्ष के चरम की कल्पना की जा सकती है.

सादगी भरी शादियाँ: अमीर लोगों को समाज के लिए उदाहरण क्यों बनना चाहिए

● डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं बल्कि एक बड़ा सामाजिक आयोजन भी माना जाता है। यहाँ शादी में परिवार, रिश्तेदार, दोस्त और पूरा समाज शामिल होता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शादियों का स्वरूप बहुत बदल गया है। आजकल कई शादियाँ इतनी भव्य और महंगी हो गई हैं कि उनमें करोड़ों रुपये तक खर्च किए जाते हैं। बड़े-बड़े होटल, महंगे कपड़े, विदेशी सजावट, मशहूर कलाकारों के कार्यक्रम और कई दिनों तक चलने वाले समारोह अब आम बात हो गए हैं।

ऐसी शादियों का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के मध्यम और गरीब वर्ग पर पड़ता है। जब समाज में अमीर लोग बहुत महंगी शादियाँ करते हैं तो बाकी लोगों पर भी वैसी ही शादी करने का दबाव बनने लगता है। कई परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करने लगते हैं। कई बार तो लोग कर्ज लेकर शादी करते हैं ताकि समाज में उनकी प्रतिष्ठा बनी रहे। यही कारण है कि आज शादी कई परिवारों के लिए खुशी के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बन जाती है।

ऐसे समय में समाज के बड़े और संपन्न लोगों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। अगर जिन लोगों के पास बहुत पैसा है वे सादगी से शादी करें, तो यह पूरे समाज के लिए एक अच्छा उदाहरण बन सकता है। इससे यह संदेश जाएगा कि शादी की खुशी दिखावे या खर्च से नहीं बल्कि रिश्तों और संस्कारों से होती है।

इतिहास में हमें ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहाँ बड़े और सम्मानित लोगों ने सादगी को महत्व दिया। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की शादी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। उन्होंने दहेज लेने से साफ मना कर दिया था और केवल एक चरखा और कुछ कपड़े ही स्वीकार किए थे। उस समय भी समाज में दहेज और खर्च की परंपरा थी, लेकिन उन्होंने सादगी और सिद्धांतों को प्राथमिकता दी।

इसी तरह प्रसिद्ध उद्योगपति नारायण मूर्ति और समाजसेवी लेखिका सुधा मूर्ति की शादी भी बहुत साधारण तरीके से हुई थी। उस समय उनके पास बहुत अधिक पैसा नहीं था, लेकिन बाद में जब वे बहुत सफल और संपन्न बने तब भी उन्होंने हमेशा सादगी और जिम्मेदारी का संदेश दिया। सुधा मूर्ति अक्सर कहती हैं कि शादी में फिजूल खर्च करने के बजाय पैसा शिक्षा और समाज सेवा में लगाया जाना चाहिए।

इसके विपरीत आधुनिक समय में कुछ शादियाँ इतनी भव्य हो गई हैं कि वे एक तरह से प्रदर्शन का माध्यम बन जाती हैं। उदाहरण के लिए अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी। इसी तरह ईशा अंबानी और आनंद पीरामल की शादी भी बहुत बड़े स्तर पर आयोजित की गई थी। इन शादियों में कई बड़े उद्योगपति, अंतरराष्ट्रीय कलाकार और फिल्म सितारे शामिल हुए।

हालाँकि यह भी सच है कि जिन लोगों के पास पैसा है, वे अपनी खुशी के लिए खर्च करने का अधिकार रखते हैं। बड़ी शादियों से होटल उद्योग, सजावट, कैटरिंग, संगीत, फोटोग्राफी और कई अन्य क्षेत्रों में हजारों लोगों को रोजगार भी मिलता है। इसलिए पूरी तरह से बड़ी शादियों की आलोचना करना भी उचित नहीं है।

फिर भी समाज के हित को ध्यान में रखते हुए यह अपेक्षा की जाती है कि बड़े और प्रभावशाली लोग संतुलन बनाए रखें। अगर वे सादगी और जिम्मेदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तो समाज में सकारात्मक बदलाव आ सकता है। जब लोग देखेंगे कि अमीर परिवार भी साधारण तरीके से शादी कर रहे हैं, तो मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर अनावश्यक खर्च करने का दबाव कम हो जाएगा।

आज भारत में कई युवा भी इस विषय पर नए विचार अपना रहे हैं। वे सादगी से शादी करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। कुछ लोग मंदिर में विवाह करते हैं, कुछ लोग कोर्ट मैरिज करते हैं और उसके बाद परिवार के साथ छोटा सा कार्यक्रम रखते हैं। इससे खर्च कम होता है और शादी का मूल उद्देश्य भी बना रहता है।

साधारण शादी के कई फायदे भी हैं। सबसे पहला फायदा यह है कि परिवार को आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ता। कई बार शादी के खर्च के कारण परिवार वर्षों तक कर्ज में डूबे रहते हैं। अगर शादी सादगी से हो तो यह समस्या कम हो सकती है। दूसरा फायदा यह है कि पैसा बचाकर उसे किसी उपयोगी काम में लगाया जा सकता है, जैसे बच्चों की शिक्षा, घर की जरूरतें या समाज सेवा।

इसके अलावा सादगी से शादी करने से सामाजिक समानता का संदेश भी जाता है। समाज में अमीर और गरीब के बीच जो दिखावे की खाई बढ़ रही है, उसे कम करने में भी यह मददगार हो सकता है।

मीडिया और सोशल मीडिया का भी इस विषय में बड़ा प्रभाव है। आजकल शादी की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट पर बहुत तेजी से फैलते हैं। जब लोग भव्य और महंगी शादियाँ देखते हैं तो उनके मन में भी वैसी ही शादी करने की इच्छा पैदा होती है। इसलिए जरूरी है कि सादगी भरी शादियों को भी उतना ही महत्व दिया जाए और उन्हें समाज में प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया जाए।

सरकार और सामाजिक संस्थाएँ भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कई जगहों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जहाँ कम खर्च में कई जोड़ों की शादी करवाई जाती है। इससे गरीब परिवारों को बहुत राहत मिलती है और समाज में सादगी का संदेश भी फैलता है।

अंत में यह समझना जरूरी है कि शादी का असली अर्थ दिखावा नहीं बल्कि दो लोगों का साथ और दो परिवारों का मिलन है। खुशियाँ महंगे कपड़ों, बड़ी सजावट या भव्य कार्यक्रमों से नहीं बल्कि प्यार, विश्वास और संस्कारों से बनती हैं।

इसलिए यदि समाज के बड़े और संपन्न लोग सादगी से शादी करके उदाहरण प्रस्तुत करें, तो यह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन सकता है। इससे न केवल अनावश्यक खर्च कम होगा बल्कि समाज में संतुलन, जिम्मेदारी और सादगी की भावना भी मजबूत होगी।

वास्तव में एक अच्छी शादी वही है जिसमें खुशी हो, सम्मान हो और परिवारों का स्नेह हो। अगर यह सब सादगी के साथ हो जाए, तो वही सबसे बड़ा उत्सव बन जाता है।

3.29 करोड़ का था इनाम, माओवादी डंप से 3.61 करोड़ नकद और 1 किलो सोना बरामद

108 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण, 44 महिला माओवादी भी शामिल

बस्तर/बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । बस्तर में नक्सल विरोधी अभियान के बीच बुधवार को बड़ी सफलता मिली। दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (DKSZC) से जुड़े 108 माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें 44 महिला माओवादी भी शामिल हैं। इन सभी पर मिलाकर करीब 3.29 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। जगदलपुर के शौर्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में इन माओवादियों ने पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने सरेंडर किया।

संगठन के कई स्तर के कैडर शामिल - पुलिस के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादी संगठन के विभिन्न स्तरों के सदस्य शामिल हैं। इनमें 5 डिवीजनल कमेटी सदस्य (DVCM), 2 जोनल स्तर के PLGA कंपनी के प्रमुख पदाधिकारी, 15 प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य (PPCM), 21 एरिया कमेटी सदस्य (ACM) और 63 पार्टी सदस्य (PM) शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में माओवादियों का आत्मसमर्पण बस्तर में चल रहे अभियान की बड़ी कामयाबी है।

कई बड़े नक्सली कैडर भी लौटे मुख्यधारा में -आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादी संगठन के कई प्रमुख कैडर भी शामिल हैं। इनमें राहुल तेलाम, पंडरू कोवासी, झितरू ओयाम, रामधर उर्फ बीरू, मल्लेश, मुचाकी और कोसा मंडावी जैसे नाम शामिल हैं। इन कैडरों ने माओवादी संगठन के रास्ते को गलत बताते हुए सामान्य जीवन में लौटने का फैसला किया।

101 हथियार बरामद -आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से मिली जानकारी और खुफिया इनपुट के आधार पर सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई कर AK-47, इंसास, एसएलआर, एलएमजी और .303 राइफल सहित कुल 101 हथियार बरामद किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक इन हथियारों की बरामदगी से माओवादी संगठन की सैन्य क्षमता को बड़ा झटका लगा है।

नारायणपुर से सबसे ज्यादा हथियार मिले-जिला-वार कार्रवाई में नारायणपुर जिले से 49 हथियार बरामद हुए। इसके अलावा बस्तर से 24, सुकमा से 12, बीजापुर से 9, दंतेवाड़ा से 5 और कांकेर से 2 हथियार बरामद किए गए हैं। इन हथियारों को कार्यक्रम के दौरान जगदलपुर स्थित रेंज मुख्यालय में प्रदर्शित भी किया गया।

डंप से नकदी और सोने की बड़ी बरामदगी -सुरक्षा बलों को माओवादी डंप से 3.61 करोड़ रुपए नकद और करीब 1.64 करोड़ रुपए कीमत का एक किलो सोना भी मिला है। अधिकारियों के अनुसार नक्सल विरोधी अभियान के दौरान इतनी बड़ी बरामदगी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

'पूना मार्गम' अभियान का असर -पुलिस अधिकारियों ने बताया कि राज्य में चल रही 'पूना मार्गम ङ्क पुनर्वास से पुनर्जीवन' पहल का असर अब दिखने लगा है। पिछले 26 महीनों में छत्तीसगढ़ में 2714 माओवादी हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौट चुके हैं। वहीं 1 जनवरी 2024 से 9 मार्च 2026 तक बस्तर संभाग में 2625 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।

कार्यक्रम में मौजूद रहे ये अधिकारी - यह कार्यक्रम पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल ऑपरेशन) विवेकानंद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बीएसएफ सिवांग नामग्याल, बस्तर रेंज पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी., सीआरपीएफ के पुलिस महानिरीक्षक शालीन तथा छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के पुलिस महानिरीक्षक बी.एस. ध्रुव सहित बस्तर संभाग के सातों जिलों के पुलिस अधीक्षक, केंद्रीय सुरक्षा बलों और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुआ

पुनर्वास नीति के तहत मिलेगी सहायता-पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ अरुण देव गौतम ने बताया आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे सामान्य जीवन शुरू कर सकें।

डीएवी स्कूल जांता के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन, अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड प्रतियोगिता में 8 पदक हासिल

डीए वी जांता के विद्यार्थियों ने फिर रचा नया कीर्तिमान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड-2025 में डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदक प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने 5 स्वर्ण, 2 रजत तथा 1 कांस्य पदक हासिल किए। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में तिलेश्वर वर्मा (कक्षा चौथी), पिताङ्क गोपाल वर्मा, निवासी पेंड्री; धवल दिल्लीवार (कक्षा पांचवीं), पिताङ्क पुकेश्वर दिल्लीवार, निवासी पुलिस लाइन बेमेतरा; प्रवीण कुमार साहू (कक्षा छठवीं), पिताङ्क छत्रपाल साहू, निवासी प्रतापपुर; कृतिका सिन्हा (कक्षा आठवीं), पिताङ्क प्रदीप सिन्हा, निवासी सैगोना तथा त्रयंक साहू (कक्षा नवमी), पिताङ्क महेश राम साहू, निवासी दाढ़ी शामिल हैं। इसके अलावा सागर पाटले (कक्षा चौथी), पिताङ्क हरिचंद पाटले, निवासी सारंगपुर तथा पीयूष पटेल (कक्षा छठवीं), पिताङ्क रामेश्वर पटेल, निवासी मोहतरा ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि पूजा साहू (कक्षा सातवीं), पिताङ्क हेमंत कुमार साहू, निवासी बेतर ने कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में विद्यालय के कई विद्यार्थियों का चयन नासों सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी हुआ है, जो विद्यालय के लिए गर्व की बात है। प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थी केवल पढ़ाई में ही नहीं बल्कि अनेक क्षेत्रों में जैसे खेलकूद,वैज्ञानिक गतिविधियों, नवाचार के क्षेत्र में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। विद्यालय के कई छात्र-छात्राएं खेल व अन्य विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं, जिससे विद्यालय की पहचान और भी मजबूत हुई है। विद्यालय के शिक्षकों के अनुसार विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा विद्यालय के सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ जिला इकाई सारंगढ़ के तत्वाधान में पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा प्रथम चरण का तीन दिवसीय दौरा ग्राम पंचायत आंदोला में समापन हुआ

बिलाईगढ़ सारंगढ़ /मूक पत्रिका

भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ जिला इकाई सारंगढ़ बिलाईगढ़ के तत्वधान में जिला उपाध्यक्ष अमित जायसवाल के नेतृत्व एवं प्रदेश उपाध्यक्ष खिलन प्रसाद साहू और प्रदेश महासचिव तुलेश दास महंत जी के अध्यक्षता में पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा का प्रथम चरण का तीन दिवसीय दौरा आंदोला में समापन हुआ जहां पिछड़ा वर्ग के तमाम सरपंचों को ज्ञापन सौंपा गया जिसमे पिछड़ा वर्ग एवं भीम आर्मी के तमाम कार्यकर्ता, सदस्यगढ़ शामिल रहे पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा प्रथम चरण में 12 पंचायतों में गांव- गांव, कस्बा-कस्बा जाकर अपने पिछड़ा वर्ग समाज को जागरूक किया और अपने संविधानिक अधिकार को लेकर युवा, बुजुर्ग, बड़े, सभी को बताया गया और तमाम सरपंच महोदय जी के माध्यम से ज्ञापन देकर उनको इस मुद्दा को लेकर आप तमाम पिछड़ा वर्ग के मंत्रीयों, राज्य एवं केंद्र पिछड़ा वर्ग आयोग, राज्यपाल, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री जी को प्रतिलिपि में दिया गया हैं ताकि यह मुद्दा संसद, विधानसभा में गूंजे और पिछड़ा वर्ग समाज को उसका संविधानिक हिस्सा,अधिकार मिल सके. क्योंकि पिछले 25 वर्षो से सर्व पिछला वर्ग उनके वास्तविक संविधानिक हिस्सा , अधिकार से वंचित रखा हैं जबकि हमारा संविधानिक अधिकार हैं कि हमें ऑर्टिकल 340, आर्टिकल 15/4,आर्टिकल 16/4, तहत सामाजिक, आर्थिक रुप से पिछड़े पन को दूर करने का प्रावधान हैं भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधी का कहना हैं कि यदि सरकार हमारी संविधानिक मांगे को जल्द से जल्द पूरा नहीं करती हैं तो हम सर्व पिछड़े वर्ग समाज को प्रदेश भर में पिछड़ा वर्ग अधिकार एवं सामाजिक न्याय यात्रा के माध्यम से लोगों को जागरूक करके सरकार को आईना दिखाना का काम करेंगे और 2028 में सर्व पिछड़ा वर्ग समाज बताएगा पिछड़ा वर्ग क्या कर सकता हैं।

मझारपारा पालनार में नए स्कूल भवन का लोकार्पण

बीजापुर/मूक पत्रिका

विकासखंड के सुदूर क्षेत्र नियद नेल्लनार गांव पालनार में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि जुड़ी है। यहां शासकीय प्राथमिक शाला मझारपारा के नवनिर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण ग्राम सरपंच मालती ताती और वार्ड पंच सुमित ताती ने किया। कार्यक्रम के दौरान गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर बीईओ नागेश्वर निषाद, बीआरसी राजेश मिश्रा, सब इंजीनियर शैलेश वासम, प्रधानाध्यापक राजू पुजारी, विद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। नए विद्यालय भवन के निर्माण से अब विद्यार्थियों को बेहतर और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिलेगा, जिससे पढ़ाई में उनकी रुचि बढ़ने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि नियद नेल्लनार योजना के तहत सुदूर क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। जिले में कलेक्टर संबित मिश्रा के नेतृत्व में इन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब ग्रामीण इलाकों में दिखाई देने लगे हैं।

गांवों के समग्र विकास में जिला पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका - संजय भूषण पाण्डेय

जिला पंचायत के नवीन भवन हेतु स्वीकृत भूमि का हुआ भूमि पूजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ :- सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में जिला पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्रामीण विकास , सुशासन और समाज के अंतिम व्यक्ति तथा गांव की गलियों तक विकास की किरण को पहुंचाने में जिला पंचायत की सक्रिय भागीदारी होता है। नवगठित जिला पंचायत सारंगढ़ बिलाईगढ़ के गठन के बाद नए भवन की आवश्यकता महसूस किया जा रहा था। सरकार ने नवीन जिला पंचायत भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान किया है। इस भवन के निर्माण हो जाने से ग्राम विकास की बातें और लोगों की समस्याओं का त्वरित निदान होगा। उक्त बातें जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने जिला पंचायत भवन निर्माण की भूमि पूजन के अवसर पर जनप्रतिनिधियों,सरपंच,सचिवों को सम्बोधित करते हुए कहा।उन्होने कहा कि जिला पंचायत के माध्यम से कृषि,स्वास्थ्य,पेयजल और शिक्षा जैसे बुनियादी और मूलभूत जैसे कार्यो के लिए योजनाऐं तैयार कर उसका जमीनी स्तर पर शत प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाता है। जिला पंचायत भवन एक ऐसा केंद्र है जहां जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और पंचायती राज व्यवस्था को क्रियाशील किया जाता है। जिससे गांवों का सामाजिक आर्थिक विकास और सुशासन सरल सहज और सुगम होता है। आज के इस गरिमामयी कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय,जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन,जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक,जिला पंचायत सदस्यगण श्रीमती अभिलाषा नायक,श्रीमती सहोदरा सिदार,श्रीमती शिवकुमारी साहू,श्रीमती सुशीला साहू,श्रीमती भगवतीन पटेल,श्रीमती लता लक्ष्मे,विनोद भारद्वाज पूर्व जिला पंचायत सदस्य कैलाश नायक,मंडल अध्यक्ष राजकिशोर पटेल,गोस्वामी पूर्व महामंत्री गजानंद गड़तिया,कुंज राम पटेल,अनिल साहू जनपद सीईओ नायक,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के प्रभारी कार्यपालन अभियंता श्रीमती खांडेकर ,उप अभियंता गण सरपंच सचिव उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र की धरती पर मनीष साहू और राहुल जायसवाल करेगें छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

बेमेतरा/मूक पत्रिका

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित माय भारत के अंतर्गत राष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत बेमेतरा जिले के स्वयंसेवक मनीष साहू और राहुल जायसवाल का चयन हुआ है। इस कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से एक दल का गठन किया गया है। जिसमें मनीष साहू और राहुल जायसवाल बेमेतरा जिले से शामिल है। यह कार्यक्रम 12 मार्च से लेकर 18 मार्च तक महाराष्ट्र की धरती मुंबई शहर में आयोजित किया जाएगा। ये स्वयंसेवक महाराष्ट्र की धरती पर जाकर वहां की भौगोलिक बनावट, लोक संस्कृति का, वहां की परंपरा, खान-पान का अध्ययन करेंगे। वहां के सभी जानकारी प्राप्त करने के पश्चात छत्तीसगढ़ के युवाओं को महाराष्ट्र की वास्तविक जानकारी प्रदान करेंगे। इस बीच छत्तीसगढ़ की टीम महाराष्ट्र में अपनी लोकसंस्कृति की भी वहां पर प्रस्तुति देंगे। जिससे वहां के निवासी छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति को समझ पाए। दोनों स्वयंसेवकों को उनकी उपलब्धि के लिए माय भारत के उपनिदेशक नितिन शर्मा तथा मेरा युवा भारत केंद्र बेमेतरा जिले के मास्टर ट्रेनर मनीष वर्मा सहित सभी स्वयंसेवको ने बधाई प्रेषित किया तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया।

क्या होता है युवा आदान - प्रदान शिविर?

भारत सरकार इस शिविर का आयोजन करवाती है जिसमें दो अंतरराज्यो के चयनित युवा एक दूसरे की संस्कृति को आदान प्रदान करते हैं जिससे वो एकदुसरे की संस्कृति को समझ सके

जंगलों को आग न लगाने की अपील - मनीष कुंजाम

कांकेर/मूक पत्रिका

पूर्व विधायक मनीष कुंजाम की अपील का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा करना है । उन्होंने लोगों से जंगलों को आग से बचाने और खेतों में पराली न जलाने का आग्रह किया है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा। आजकल महुआ बिनने के कारण कुछ लोग आग जलाते हैं लेकिन बाद में वही आग पुरे जंगल में पुरी तरह फैल जाता है जिससे छोटे छोटे जीव जंतुओं को भी इस गर्मी के दिनों में नुकसान है, खासतौर पर पर्यावरण को इस आग से बहुत ही छति होती है। आप सभी से अपील है कि हमारे जल, जंगल और जमीन को सुरक्षित करना और आग न लगाना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

जिला कांग्रेस कमेटी की नवगठित जिला कार्यकारिणी का प्रथम सम्मेलन संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा की नवगठित जिला कार्यकारिणी का प्रथम सम्मेलन दिनांक 11 मार्च 2026 को आयोजित किया गया। यह सम्मेलन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सह-सचिव एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के सह-प्रभारी विजय जांगिड़ की अध्यक्षता में तथा जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, विभिन्न ब्लॉक अध्यक्ष, महामंत्री, सचिव, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि पार्टी के अनुशासन का पालन करना प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता के लिए अनिवार्य है।उन्होंने सभी ब्लॉक अध्यक्षों, महामंत्रियों एवं सचिवों को निर्देशित करते हुए कहा कि पार्टी के प्रति समर्पण, अनुशासन और ईमानदारी के साथ कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करें तथा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और जनहितकारी नीतियों को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने आगे कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है और सभी कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। वहीं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सह-सचिव एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी के सह-प्रभारी विजय जांगिड़ जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पार्टी के विस्तार के लिए कार्यकर्ताओं में जज्बा, समर्पण और प्रतिबद्धता होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमें मान-सम्मान और पहचान प्रदान करती है, इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को ईमानदारी और निष्ठा के साथ संगठन के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर नवागढ़ के पूर्व विधायक गुरुदयाल सिंह बंजारे ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं के बीच एकता, समन्वय और आपसी मिठास बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करते हैं, तभी संगठन मजबूत होता है और पार्टी की विचारधारा समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी रूप से पहुंचती है। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए आगामी समय में पार्टी की गतिविधियों को और तेज करने, संगठन विस्तार तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर भी विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री मनोज शर्मा जी द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे सम्मेलन को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया। वहीं कार्यक्रम के अंत में ललित विश्वकर्मा जी ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रवि परघनिया (कोषाध्यक्ष), सुमन गोस्वामी (महामंत्री), चंद्रप्रकाश तिवारी, प्रांजल तिवारी, रश्मि मिश्रा, कविता साहू, विजय बघेल, लुकेश वर्मा, विजय पारख, जितेंद्र, हरीश साहू, मनीष सिंह परिहार, अजय राज सेन, लीलाराम निषाद, मोहित वर्मा, दीनबंधु साहू, कुमार सिंह पटेल, बेनलाल कुर्रे, झम्मन पटेल, ओमकार कुजाम, सतीश मरकंडेय, गोरेलाल चंद्राकर, सुरेश दुबे, राजेंद्र दुबे, रामसिंह गायकवाड़, शशिप्रभा, रूबी सलूजा, रीता पांडेय, सविता साहू, देवेंद्र कुमार, भाओसिंह राज, मितलेश वर्मा, विवेक सुमित राजपूत, रोशन सिन्हा, ईश्वर वर्मा, सुनील साहू, अश्वनी अनंत, गणेश राजपूत, बलराम, अशोक जायसवाल, चंद्रशेखर, छोटेलाल साहू, विनय सिंह, पार्वती पटेल, शेख आसिफ कुरैशी, शिवकुमार वर्मा, अनिल दुबे, जयप्रकाश राज, यवन डिंडोरे सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिल्हा में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती, 16 से 30 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग की एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा द्वारा जारी सूचना के अनुसार वार्ड क्रमांक 07 कालिका नगर एवं वार्ड क्रमांक 10 भक्त कंवर राम वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्रों में सहायिका के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 16 मार्च 2026 से 30 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को द्धहहश्चह्य://222.द्ग-ड्डद्धड्डह्ल-ह्लद्ध.द्बठ्ठ/ वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। परियोजना कार्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया और जानकारी के लिए अभ्यर्थी वेबसाइट पर उपलब्ध यूजर मैनुअल का भी उपयोग कर सकते हैं। इस संबंध में सूचना आयुक्त नगर पालिका निगम बिलासपुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत बिल्हा तथा एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर भी चस्पा कर दी गई है।

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 4 आवेदकों के आवेदन के छानबीन के क्रम में 7 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। डीईओ ने आगे बताया कि कोटा ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला कन्या रतनपुर में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री राजेश कुमार दुबे के परिवार से उनके पुत्र श्री गौरव कुमार दुबे ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। इसी प्रकार शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला गिरधौना में शिक्षक एल.बी. के पद पर कार्यरत स्व. श्री लालचंद साहू के पुत्र श्री देव कुमार साहू, शासकीय प्राथमिक शाला बेलटुकरी में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत स्व. श्री सतीश कुमार देवांगन की पत्नी श्रीमती सुनीता देवांगन एवं प्राथमिक शाला मंजूरपहरी में प्रधान पाठक पद पर कार्यरत स्व. श्री भगत नारायण गंधर्व के परिवार से उनकी पत्नी श्रीमती राजकुमारी गंधर्व ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आवेदकों के संबंध में जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 25 पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग में निर्धारित अवधि में दिया जा सकता है। विलंब से प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

जीवनदीप समिति की बैठक 17 मार्च को

बिलासपुर। जिला चिकित्सालय के जीवनदीप समिति की बैठक कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 17 मार्च को शाम 5 बजे से मातृ एवं शिशु अस्पताल के तृतीय तल के सभाकक्ष में होगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

महाधिवक्ता कार्यालय में पुराने नस्तियों-अभिलेखों के विक्रय हेतु 16 मार्च तक निविदा आमंत्रित

बिलासपुर। महाधिवक्ता कार्यालय, बिलासपुर द्वारा कार्यालयीन नस्तियों एवं अभिलेखों को विनिष्ट कर विक्रय किए जाने के लिए सीमित निविदा आमंत्रित की गई है। जारी सूचना के अनुसार इच्छुक निविदाकार 16 मार्च 2026 की शाम 5 बजे तक अपनी निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा की शर्तों के अनुसार नस्तियों और अभिलेखों को विनिष्ट करने के लिए आवश्यक मशीन कार्यालय परिसर में स्थापित करनी होगी।यह निविदा माननीय महाधिवक्ता महोदय के आदेशानुसार जारी की गई है।

प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई के लिए आवेदन 15 मार्च तक

बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले के ग्राम पंचायत अकलतरी (बिल्हा) में प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई (एम.आर.एफ) की स्थापना की जाएगी। इस इकाई के माध्यम से प्लास्टिक एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य किया जाएगा। इसमें बेलिंग (10 एचपी), फटका (15 एचपी), श्रेडिंग/ग्राइंडर (20 एचपी), कन्वेयर बेल्ट, वजन मशीन, प्लास्टिक ग्रेनुवल, स्क्रूडर-मदर बेबी (40-50 एचपी), प्रेस मशीन, कटर मशीन (3-5 एचपी), एग्रो मशीन मोटर सहित (70-80 एचपी), वाटर टेंक, वाशिंग प्वाईंट-ड्रॉयर, कॉर्डिंग मशीन, फायर सेफ्टि मशीन व अन्य आवश्यक उपकरणों को प्रारंभिक चरण में स्थापित करते हुए कार्य का क्रियान्वयन सह संचालन किया जाना होगा।

हिट एंड रन मामलों में 2 लाख सहायता के प्रकरण बनाने के निर्देश

सड़क दुर्घटनाओं का ऑडिट कर सुधार कार्य करें: कलेक्टर संजय

■ टीएल बैठक में योजनाओं की समीक्षा, पीएम सूर्य घर योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मंगलवार को आयोजित टाइम लिमिट (टीएल) बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं, लंबित प्रकरणों और जनहित से जुड़े मामलों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सड़क दुर्घटनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और लंबित आवेदनों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अज्ञात वाहन से हुई सड़क दुर्घटनाओं से हुई उवनज के मामलों में हिट एंड रन केस के अंतर्गत मृतकों के परिजनों को दी जाने वाली 2 लाख रुपये की सहायता राशि के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यह योजना 1अप्रैल 2022 से लागू है और इस तिथि के बाद के पुराने प्रकरण भी स्वीकार किए जाएंगे। जिले में अब तक ऐसे चार मामले चिन्हित किए गए हैं। बैठक में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार सुविधा की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 37 अस्पतालों को चिन्हांकित किया गया है। कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं का ऑडिट करने के निर्देश देते हुए कहा कि भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक सुधार कार्य किए जाएं। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत बंद हो चुकी खदानों को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी खदानों को महिला स्व-सहायता समूहों को मत्स्य पालन के लिए दिया जाए, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा में बताया गया कि जिले में अब तक 2,500 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि लगभग 7,000 लोगों ने पंजीयन कराया है। कलेक्टर ने प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रगति की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 75 प्रतिशत घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसी भी खाताधारक की मृत्यु की सूचना ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय द्वारा संबंधित बैंक को तत्काल दी जाए, ताकि परिजनों को 2 लाख रुपये का बीमा क्लेम समय पर मिल सके। आगामी बरसात के मौसम में वृक्षारोपण की तैयारी को लेकर कलेक्टर ने पौधों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने उद्यानिकी विभाग को 4 लाख और वन विभाग को 2 लाख पौधे तैयार रखने के निर्देश दिए। बैठक में स्कूलों में बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जहां आवश्यकता है वहां डीएमएफ अथवा अन्य योजनाओं से राशि उपलब्ध कराकर शौचालय निर्माण कराया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी इसकी लिस्ट देंगे।साथ ही उन्होंने स्कूली बच्चों के लगभग 50 हजार लंबित अपार आईडी शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनगणना कार्य को समय-सीमा वाला अभियान बताते हुए कहा कि जिस भी अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी लगाई जाए वह तुरंत जॉइन कर अपना दायित्व निभाए। बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री घोषणाएं, हाईकोर्ट प्रकरण, पीएमओ पोर्टल तथा विभिन्न आयोगों और वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला कर्मचारियों का सम्मान.....

राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न

बिलासपुर। राष्ट्रीय डाक कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन एक निजी होटल में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की मजबूती, कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और डाक विभाग की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डाक कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि संघ का पिछला द्विवार्षिक अधिवेशन 17 दिसंबर 2023 को बिलासपुर में आयोजित किया गया था, जबकि राष्ट्रीय स्तर का अधिवेशन 9 से 10 जून 2024 को उज्जैन में संपन्न हुआ था। इन अधिवेशनों में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, संगठन की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर व्यापक चर्चा की गई थी। कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों ने कहा कि डाक विभाग के कर्मचारी सीमित संसाधनों और कई प्रकार की चुनौतियों के बावजूद पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। तकनीकी समस्याएं, कार्यभार की अधिकता, कर्मचारियों की कमी और बदलते कार्य स्वरूप के बावजूद भी डाक कर्मचारी प्रशासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि डाक विभाग आज भी देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम को विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित किया गया। महिला कर्मचारियों ने केक काटकर महिला दिवस का उत्सव मनाया और उत्कृष्ट योगदान के लिए महिला कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

महिला दिवस पर बहतराई में एक दिवसीय महिला खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई

बिलासपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बालिकाओं एवं महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई, बिलासपुर में एक दिवसीय महिला खेल प्रतियोगिता का कल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कबड्डी, तीरंदाजी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल तथा हॉकी खेलों का आयोजन किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी, बिलासपुर विजेता तथा बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी, बिलासपुर उपविजेता रही। तृतीय स्थान वीर शिवाजी कबड्डी अकादमी, बिलासपुर और चतुर्थ स्थान बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर को प्राप्त हुआ। तीरंदाजी प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में सुलोचना राज प्रथम, पायल मरावी द्वितीय और माया बघेल तृतीय स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग में नंदनी पोर्ते प्रथम, यामिनी धीवर द्वितीय तथा सिमरन खुसरो तृतीय स्थान पर रहीं। सब-जूनियर वर्ग में स्नेहा प्रथम, निकिता द्वितीय और विनीता नेताम तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि मिनी वर्ग में एकता ध्रुव प्रथम, नेहा यादव द्वितीय तथा स्मृति नेताम तृतीय स्थान पर रहीं। बास्केटबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ बास्केटबॉल टीम, बिलासपुर विजेता तथा बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर उपविजेता रही। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में पुलिस लाइन, बिलासपुर की टीम विजेता तथा राजकिशोर नगर, बिलासपुर की टीम उपविजेता रही। बिलासा कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। हॉकी प्रतियोगिता में टीम 'ए' स्व. बी.आर. यादव राज्य हॉकी, बिलासपुर विजेता रही, जबकि टीम 'बी' खेलो इंडिया हॉकी, बिलासपुर उपविजेता रही। टीम 'सी' हॉकी बिलासपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा टीम 'डी' हॉकी बिलासपुर को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहायक संचालक ए. एक्का, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सुनील गौरहा, हॉकी हेड कोच अजीत ई. लकड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक राकेश टोप्पो, कबड्डी प्रशिक्षक दिल कुमार राठौर, वॉलीबॉल प्रशिक्षक हरगुलशन सिंह, श्री श्रीनिवास नायर, तीरंदाजी सहायक प्रशिक्षक ए.पी.सी. ईतवारी राज, मनमोहन पटेल सहित स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्युत कर्मियों को मिलेगी 3 करोड़ का कवरेज एसके कटियार

कोरबा। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी एवं बैंक आफ बड़ौदा के बीच अनुबंध करार किया गया। यह अनुबंध नियमित कर्मचारियों के लिए सैलरी पैकेज के साथ उन्नत बैंकिंग सुविधाएं और ज्यादा कवरेज के लिए किया गया है। इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके. कटियार और बैंक आफबड़ौदा के श्री देवाकर के बीच करार पर हस्ताक्षर किया गया। कटियार ने इस अनुबंध को कंपनी एवं कर्मचारी हित में बड़ा कदम बताया है। जनरेशन कंपनी मुख्यालय के अलावा हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व एवं अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र मड़वा में कुल 2700 अधिकारी कर्मचारी कार्यरत है,जिन्हें इस अनुबंध से सीधा लाभ मिलेगा। कंपनी ने विद्युतकर्मियों के लिए बैंक से विशेष पैकेज बनाने का अनुरोध किया था,जिससे कर्मियों को एक ही बैंक में किफायती एवं आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो सके। बैंक द्वारा बताया गया कि केंद्र सरकार के साथ अनुबंध होने के साथ-साथ राज्य के अलग अलग सरकारी विभागों में वो ऐसी सुविधाएं दे रहे हैं। जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक संदीप मोदी ने बताया कि इस अनुबंध में 12 लाख तक का बीमा कवर है साथ ही दुर्घटना एवं प्लेन दुर्घटना के लिए 1 से 2 करोड़ का कवरेज है। इसके अलावा डेबिट, क्रेडिट कार्ड में कई प्रकार के छूट एवं आकर्षक सुविधाएं है। न्यूनतम ब्याज दर पर सभी प्रकार की लोन सुविधा भी उपलब्ध है।

जनदर्शन में सुनी गई आमजन की समस्याएं-कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश...

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें कलेक्टर के समक्ष रखीं। जनदर्शन में बेलगहना तहसील के ग्राम केंदाडांड निवासी गेंददास ने बताया कि उनकी जमीन दो वर्ष पहले नहर निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई थी, लेकिन अब तक मुआवजा नहीं मिला है। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम कोटा को प्रकरण की जांच कर तत्काल मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनपद पंचायत बिल्हा के सरवनदेवी गांव की सरपंच ने नदी में हो रहे अवैध रेत उत्खनन की शिकायत करते हुए बताया कि उत्खनन से नदी में गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो जानलेवा साबित हो सकते हैं। कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उप संचालक खनिज प्रशासन को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नगर निगम बिलासपुर के वार्ड क्रमांक 56 निवासी शिवनाथ मिश्रा ने दो माह से निराश्रित पेंशन नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बिल्हा तहसील के ग्राम खैरखुंडी की सरपंच ने पटवारी रामफल वस्त्रकार के विरुद्ध शिकायत करते हुए बताया कि वह अक्सर नशे की हालत में रहता है और राजस्व संबंधी छोटे छोटेकार्यों के लिए बड़े रकम की मांग करता है। कलेक्टर ने एसडीएम बिलासपुर को मामले की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मस्तूरी जनपद पंचायत के ग्राम भनेसर में कार्यरत रोजगार सहायक के विरुद्ध भी शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें फर्जी हाजिरी लगाने और ग्रामीणों से आवास के लिए राशि वसूली करने का आरोप लगाया गया। कलेक्टर ने संबंधित जनपद पंचायत सीईओ को शिकायत की जांच करने को कहा। जूना बिलासपुर निवासी श्रीमती जाम बाई पटनवार ने पांच वर्षों से सीमांकन नहीं होने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने एसडीओ बिलासपुर को कार्रवाई के निर्देश दिए। तखतपुर विकासखंड के चिचिंरदा गांव के ग्रामीणों ने आनंदी बिल्डर द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने की शिकायत की। कलेक्टर ने एसडीएम तखतपुर को मामले की जांच के निर्देश दिए।

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र /32/प्र./ना.तह / 2025
रा.प्र.क्र. अ-62 वर्ष 25-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश मदिक पिता राम मलिक निवासी ग्राम भिवानी मार्ग जिंद हरियाणा हालमुकाम चंदनू तहसीलद जिला बेमेतरा के समक्ष ग्राम चंदनू प.ह.नं. 11 स्थित स्वामित्व की भूमि ख.नं. 123 रकवा 1. 3200 हे. स्थित 1000 नग सागोन वृक्ष है जिसमें से 55 नग सागोन के वृक्षों के घर के निजी काम के वजह से काटे जाने की अनुमति यावत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रसा आवेदन पत्र जांच प्रतिवेदन बाबत् न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त् संबंध में यदि किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 16/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हार अपनी दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर वि नहीं किया जावेगा।

आज दिनाँक 11/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तधार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नवागढ़, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामेशवर दास मानिकपुरी पिता मयादास मानिकपुरी जाति पनिका निवासी ग्राम नवागढ़ तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक की पुत्री वैभवी मानिकपुरी का जन्म / मृत्यु दिनांक 09.09.2023 को ग्राम नवागढ़ नगर पंचायत नवागढ़ तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा वैभवी मानिकपुरी का जन्म / मृत्यु पंजीयन ग्राम कोटवार/थाना/नगर पंचायत नवागढ़ में दर्ज नहीं करवाया है, अब जन्म/मृत्यु प्रमाणपत्र की आवश्यकता हो रही है ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/ जनपद पंचायत नवागढ़ को जन्म पंजीयन कर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13.03.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार नवागढ़, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राम सुशील यादव पिता रामबदन यादव जाति अहिर निवासी ग्राम म.न. 173 ग्राम गडेहरा पो.आ. देवखर तहसील जवा जिला रीवा म.प्र. के द्वारा आवेदन पेश किया है कि आवेदक का पुत्र शिवांश यादव पिता राम सुशील यादव का जन्म / मृत्यु दिनांक 25.04.2018 को नगर पंचायत नवागढ़ तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा शिवांश यादव का जन्म / मृत्यु पंजीयन ग्राम कोटवार/थाना/नगर पंचायत नवागढ़ में दर्ज नहीं करवाया है, अब जन्म / मृत्यु प्रमाणपत्र की आवश्यकता हो रही है ग्राम पंचायत / नगर पंचायत / जनपद पंचायत नवागढ़ को जन्म पंजीयन कर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13.03.2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त ऑपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार नवागढ़
जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./222/प्र./ना.तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक कृपाराम पिता दुकलहा उम्र लगभग 76 वर्ष जाति सतनामी निवासी ग्राम लोलेसरा, तहसील व जिला बेमेतरा छ.ग. के द्वारा आवेदक अपने बहन हीराबाई पिता दुकलहा का मृत्यु ग्राम लोलेसरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 08.06.2009 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अत: आवेदक अपने बहन हीराबाई पिता दुकलहा का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 13-3-2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 23-2-2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र//प्र./तह./2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक परदेशी निषाद पिता स्व. बुधराम निषाद निवासी ग्राम मऊ तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने पिता स्व. बुधराम निषाद पिता धुरूव के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 29/08/2024 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम/नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 13/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 27/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने 'द वन एंड ओनली' लॉन्च

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, जिसने कई पीढ़ियों से सफलता के मायने को नई ऊंचाई दी है, अपना नया कैंपेन 'द वन एंड ओनली' लेकर आया है - सफलता की एक नई और प्रभावशाली कहानी। आज के समय में, जब सफलता के कई रूप दिखाई देते हैं और प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, तब ब्रांड एक सरल सच सामने लाता है ङ्क असली सफलता अलग पहचान में होती है - जो लोगों की प्रशंसा पाती है और व्यक्ति कोदूसरों से अलगबनाती है।इस नए कैंपेन में इस भावना को तीन चेहरों - अवंती नगरथ, किरनदीप चहल और माहका शर्मा ङ्क के जरिए दिखाया गया है। ये तीनों ब्रांड के अलग-अलग पहलुओं को दर्शाती हैं। अवंती अपने निडर आत्मविश्वास और अलग अंदाज से आकर्षण पैदा करती हैं, किरनदीप अपनी प्रभावशाली और बेबाक मौजूदगी से लोगों को प्रभावित करती हैं, और माहिका अपने संतुलित और शांत व्यक्तित्व से प्रेरणा देती हैं। एक ऐसी दुनिया में, जहां कई लोग समान दिखाई देते हैं, फिर भी ये तीनों और ब्रांड खुद सबसे अलग और खास नजर आते हैं और सभी का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। स्टाइल और गुणवत्ता से जुड़ा यह ब्रांड लगातार आधुनिक भारतीय संस्कृति में प्रेरणादायक सफलता को बढ़ावा देता आया है ङ्क नए प्रयोगों में आगे रहकर, उद्योग में कई नई शुरुआत करते हुए और प्रतिष्ठित फैशन प्लेटफॉर्म बनाकर। 'द वन एंड ओनली' के साथ अब ब्रांड अपने अगले चरण की ओर बढ़ रहा है और नई पीढ़ी के उन युवाओं से जुड़ रहा है, जो केवल पहचान नहीं बल्कि सम्मान और प्रभाव भी चाहते हैं। यह 360-डिग्री इंटीग्रेटेड कैंपेन डिजिटल और सोशल प्लेटफॉर्म, चल रहे आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप, प्रमुख अखबारों के फ्रंट पेज विज्ञापनों और बड़े शहरों के आउटडोर विज्ञापन स्थलों पर लॉन्च किया गया है।

वर्ल्ड कप जीतकर घर लौटे क्रिकेटर्स का जोरदार स्वागत

मुंबई। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय प्लेयर्स अपने-अपने घर पहुंच रहे हैं। जहां सभी का जोरदार स्वागत किया जा रहा है। मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव, पटना में ईशान किशन और दिल्ली में हेड कोच गौतम गंभीर का ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत हुआ।

मुंबई में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा- 'हमारा अगला गोल है - 2028 में भारत के लिए ओलिंपिक गोल्ड जीतना। उसी साल टी20 वर्ल्ड कप भी होगा, इसलिए हम टी20 हैट्रिक बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।' इस स्टोरी में क्रिकेटर्स के स्वागत के फोटो देखि घर पहुंचने पर मां ने सूर्यकुमार यादव का मुंह मीठा कराया। आरती भी उतारी।

घर पहुंचने पर मां ने सूर्यकुमार यादव का मुंह मीठा कराया। आरती भी उतारी।

पटना एयरपोर्ट से बाहर निकलते ईशान किशन।

संजू सैमसन अपने शहर तिरुवनंतपुरम पहुंचे।

रिंकू सिंह अपनी मंगेतर प्रिया सरोज के साथ घर लौटे।

टी-20 वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और ट्रॉफी जीती थी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपना खिताब बरकरार रखा और टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट आज से स्विट्जरलैंड के बेसल में शुरू

स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट आज स्विट्जरलैंड के बेसल शहर में शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट में भारत की ओर से एच. एस. प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत चुनौती पेश करेंगे। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रही हैं।

पुरुष एकल में, श्रीकांत, कल हांगकांग के जेसन गुनावन के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे। जबकि प्रणॉय का मुकाबला जापान के कोकी वातानाबे से होगा। थारुन मन्नेपल्ली का सामना एक अन्य जापानी खिलाड़ी केंटा निशिमोटो से होगा, जबकि आयुष शेट्टी कनाडा के ब्रायन यांग के खिलाफ खेलेंगे। किरण जॉर्ज का सामना सिंगापुर के लोह कीन यू से पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में होगा। पुरुष युगल में, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला सिंगापुर के एंग कीट वेस्ली कोह और जुन्सुके कुबो से होगा। पुरुष डबल?स में हरिहरन आमसकारुनन और एम आर अर्जुन की जोड़ी का सामना चीन के ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चिएह से होगा। महिला एकल में उन्नति हुडा का सामना चीन के ताइपे की चियू पिन-चियान से होगा, जबकि मालविका बंसोद का मुकाबला थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा।

महिला युगल में, ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पुलेला का मुकाबला चीन के ताइपे की हू लिंग फांग और झेंग यू चिएह से होगा। मिश्रित युगल में, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो डेनमार्क के जेस्पर टॉफ्ट और अमाली मैगेलुंड से से मुकाबला करेंगे। जबकि रोहन कपूर और गड्डे रूथविका का सामना थाईलैंड के रुट्टानपाक औपथोंग और जेनिचा सुदजैप्रापरत से होगा।

ब्रीफ न्यूज

पाकिस्तान के कोच हेसन बोले, बांग्लादेश दौरे पर इस कारण युवाओं को दिये अधिक अवसर

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच कोच माइक हेसन ने कहा है अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्कप को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए ही बांग्लादेश दौरे पर अधिक से अधिक युवाओं को शामिल किया गया है पर इसका मतलब ये नहीं निकाला जाना चाहिये कि अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया। हेसन के अनुसार बाबर आजम, साइम अयूब, नसीम शाह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को इस दौरे से बाहर रखने को टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन से नहीं जोड़ा जाना चाहिये। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा था कि पाकिस्तान के विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज अनुभवी खिलाड़ियों पर गिरी है। हेसन ने कहा कि पाक टीम को युवा प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें निखारने के बहुत कम अवसर मिले हैं, इसलिए हमें लगा कि बांग्लादेश दौरे में युवाओं को उतारना चाहिये। हेसन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि किसी को बाहर किया गया। हम केवल इस सीरीज में युवा खिलाड़ियों को अपने को साबित करने का अवसर दे रहे हैं। हेसन ने कहा कि अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए वे उभरते हुए खिलाड़ियों की तलाश में हैं। कोच ने कहा, जिस प्रकार साहिबजादा फरहान ने टी20 विश्वकप में अपने शानदार प्रदर्शन को दिखाया है, वैसे ही खिलाड़ी हमें चाहिये।

मध्यपूर्व संघर्ष के करण अफगानिस्तान और श्रीलंका सीरीज स्थगित

शारजाह। मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से अब खेल भी प्रभावित होने लगे हैं। इससे श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच 13 मार्च से यहां खेली जाने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को भी स्थगित कर दिया है। इसका कारण है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही यूएई में खतरे को देखते हुए उड़ानें बंद हैं। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड या अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान इस सीरीज को स्थगित किये जाने को लेकर बयान जारी नहीं किया है पर एक रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ही बोर्ड के बीच इस बात पर सहमति बन गई है कि सीरीज आगे नहीं बढ़ सकती। ईरान ने यूएई सहित खाड़ी के कई देशों पर अमेरिकी ठिकानो को निशाना बनाया है। इसके बाद से ही उड़ानें बाधित हुई है। इसी कारण कई टीमें अभी भी यहां फंसी हुई हैं। इससे पहले यूएई और ओमान आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के मैचों के लिए नेपाल नहीं जा पाए थे। वहीं पाकिस्तान और इंग्लैंड की जूनियर टीमों के बीच भी यूएई में जारी सीरीज को रोक दिया गया। इसके अलावा पाक महिला टीम भी यूएई नहीं पहुंच सकी।

हॉल ऑफ फेम में शामिल दिग्गज कोच के लीडरशिप मंत्र

न्यू यॉर्क। अमेरिका के दिग्गज कोच मैक ब्राउन को खेल जगत के सबसे सफल और सम्मानित कोचों में गिना जाता है। 50 साल के कोचिंग करियर में उन्होंने 288 मैच जीते। वे 2005 में टेक्सास यूनिवर्सिटी को नेशनल चैम्पियन बनाने वाले कोच रहे और हॉल ऑफ फेम में भी शामिल हैं। उनकी सफलता केवल स्कोरबोर्ड तक सीमित नहीं रही। कोचिंग अनुभव के आधार पर ब्राउन ने लीडरशिप से जुड़े चार सबक बताए, जो मैदान से लेकर कॉर्पोरेट ऑफिस तक हर लीडर के काम के हैं। लीडर की असली जिम्मेदारी टीम को यह बताना कि वे जीत सकते हैं 1984 में अपनी टीम के खराब

खेलने पर उन्होंने खिलाड़ियों को फटकारा था। टीम वह मैच हार गई। तब दिग्गज कोच बैरी स्विट्जर ने कहा था कि तुमने टीम से कहा कि वे हार जाएंगे और वे हार गए। ब्राउन कहते हैं, 'जब टीम ऊंचाइयों पर हो और आत्ममुग्ध हो रही हो, तब उन पर दबाव डालें। लेकिन जब मुश्किल में हों और आत्मविश्वास गिरा हुआ हो, तब उन्हें प्रेरित कर बताना चाहिए कि वे जीत सकते हैं।' हारने के बाद शब्दों का काफी सोच-समझकर चयन करना चाहिए ब्राउन का मानना है कि एक लीडर के शब्द बहुत शक्तिशाली होते हैं, खासकर हार के बाद। कोच गुस्से में ऐसी बातें कह देते हैं जिनसे बाद में उन्हें पश्चाताप होता है। जब टीम जीते, तो खिलाड़ियों की तारीफ करें जबकि हार की जिम्मेदारी खुद लें। ब्राउन कहते हैं कि हार के बाद मीडिया या टीम से बात करते समय आपकी बॉडी लैंग्वेज मायने रखती है। आप निराश दिख सकते हैं, लेकिन पराजित नहीं।

एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर

भारत और स्कॉटलैंड के बीच मुकाबला दो-दो से ड्रॉ रहा

हैदराबाद। एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर में भारत और स्कॉटलैंड के बीच मुकाबला दो-दो से ड्रॉ रहा। भारतीय टीम पहले हाफ तक 2-1 से आगे थी, लेकिन स्कॉटलैंड ने तीसरे क्वार्टर में शानदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। हैदराबाद में हुआ यह मुकाबला महिला हॉकी विश्व कप के दो क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक था, दूसरा टूर्नामेंट चिली के सैंटियागो में आयोजित किया गया था। हैदराबाद और सैंटियागो दोनों टूर्नामेंटों में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर

रहने वाली टीमें 2026 महिला हॉकी विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी। इस साल विश्व कप की मेजबानी बेल्जियम और नीदरलैंड संयुक्त रूप से कर रहे हैं।

पांच ईरानी फुटबॉल खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने शरण दी

ऑस्ट्रेलिया। राष्ट्रीय गान विवाद के बाद लौटने से इनकार किया, एशियन कप खेलने गई थीं खिलाड़ी एशियन कप से बाहर होने के बाद ईरान की महिला फुटबॉल टीम की पांच खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया ने मानवीय वीजा देकर अपने देश में रहने की इजाजत दे दी है। ऑस्ट्रेलिया के होम अफेयर्स मिनिस्टर टोनी बर्क ने बताया कि इन खिलाड़ियों को पुलिस ने सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया है।

दरअसल, पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच से पहले ईरान की टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की आलोचना की और उन्हें सख्त सजा देने की मांग भी की। इसी वजह से खिलाड़ियों ने शरण मांगी थी।।

टीम में कुल 26 खिलाड़ी और स्टाफ मौजूद थे, लेकिन फिलहाल सिर्फ पांच खिलाड़ियों ने ही शरण मांगी थी। बाकी खिलाड़ी अभी अपने फैसले पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि उनके परिवार ईरान में रहते हैं और उन्हें उनके खिलाफ कार्रवाई का डर है।

धोनी-रोहित फाइनल देखने अहमदाबाद पहुंचे

विराट कोहली क्यों नहीं गए नरेंद्र मोदी स्टेडियम

दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जहां महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा वीआईपी बॉक्स में मौजूद रहे, वहीं विराट कोहली नजर नहीं आए। इसकी दो वजहें सामने आई। पहली, उनके पास कोई आधिकारिक भूमिका नहीं थी और दूसरी, कोहली ने संभवतः मैच परिवार के साथ घर पर देखकर टीम की जीत का जश्न मनाया।

कारण: परिवार के साथ समय

दूसरा संभावित कारण विराट कोहली का पारिवारिक जीवन भी माना जा रहा है। कोहली अब अंतरराष्ट्रीय टी20 और टेस्ट

क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका मिलता है। माना जा रहा है कि उन्होंने फाइनल मुकाबला अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर बैठकर देखा।

कोहली ने पहले ही कही थी यह बात

विराट कोहली ने कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में अपने भविष्य को लेकर दिलचस्प बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जब वह क्रिकेट से पूरी तरह संन्यास ले लेंगे तो कुछ समय तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आएंगे। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'जब मैं पूरी तरह क्रिकेट से हट जाऊंगा तो मैं गायब हो जाऊंगा, कुछ समय तक आप मुझे नहीं देख पाएंगे। इसलिए जब तक खेल रहा हूं, मैं अपना सब कुछ देना चाहता हूं और यही मुझे आगे बढ़ाता है।'

फैंस को फिर भी रही कमी

हालांकि धोनी और रोहित की मौजूदगी ने फाइनल का रोमांच बढ़ा दिया, लेकिन विराट कोहली की गैरमौजूदगी को लेकर कई फैंस को थोड़ी निराशा भी हुई। भारतीय क्रिकेट के तीन सबसे बड़े सितारों, धोनी, रोहित और कोहली को एक साथ स्टेडियम में देखना फैंस के लिए एक खास पल होता। फिर भी भारत की ऐतिहासिक जीत और खिताब बचाने की उपलब्धि ने इस रात को भारतीय क्रिकेट के लिए यादगार बना दिया।

सिडनी में महिला एशिया कप में चीन और कोरिया के बीच मुकाबले में खेलती हुई टीमें।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर 2026 सीजन के लिए टीम से जुड़े

मैथ्यू हेडन गुजरात टाइटंस के नए बैटिंग कोच बने

भोपाल। आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस ने अपनी कोचिंग टीम में बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन को टीम का नया बैटिंग कोच नियुक्त किया। हेडन दो बार के वनडे वर्ल्ड कप विजेता हैं और अपने जमाने के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में गिने जाते रहे हैं।

गुजरात टाइटंस ने सोशल मीडिया के जरिए इस फैसले की जानकारी दी। हेडन की नियुक्ति ऐसे समय पर हुई है जब टीम अपनी बैटिंग यूनिट को नए सिरे से तैयार करने की कोशिश कर रही है।

विक्रम सोलंकी बोले- हेडन के आने से युवाओं को फायदा होगा

फ्रेंचाइजी के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट विक्रम सोलंकी ने कहा कि हेडन का अनुभव टीम के लिए टर्निंग पॉइंट साबित होगा।

हेडन की नियुक्ति पर बात करते हुए सोलंकी ने कहा,'मैथ्यू हेडन का हमारी टीम से जुड़ना एक अहम पड़ाव है। इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका जो अनुभव रहा है और युवाओं को निखारने की जो उनकी काबिलियत है, उससे हमारी टीम को अपनी एक अलग पहचान बनाने में मदद मिलेगी। आने वाले **सीजन के लिए वह हमारी बैटिंग लाइनअप को मजबूत करेंगे।'**

अपनी नई जिम्मेदारी पर मैथ्यू हेडन ने कहा,'अच्छी बल्लेबाजी वह होती है जो सामने वाली टीम पर दबाव बनाए, लेकिन महान बल्लेबाजी वह है जो पूरे खेल पर अपना कब्जा कर ले। गुजरात टाइटंस में हम बल्लेबाजी का यही स्टैंडर्ड सेट करना चाहते हैं।'

हेडन को उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और पावरप्ले में डोमिनेट करने के लिए जाना जाता है, जो टी-20 फॉर्मेट की सबसे बड़ी जरूरत है।

मैथ्यू हेडन
इंटरनेशनल करियर

टेस्ट	वनडे	टी-20
मैच-103	मैच-161	मैच-9
रन-8623	रन-6133	रन-308,
50|100-29|30	50|100-36|10	50|100-4|0
स्ट्राइक रेट-60.10	स्ट्राइक रेट-78.96	स्ट्राइक रेट-143.92

मैथ्यू वेड के कोचिंग स्टाफ से बाहर होने की चर्चा

हेडन के आने के बाद कोचिंग स्टाफ में एक और बड़े बदलाव के संकेत मिले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर मैथ्यू वेड इस साल गुजरात टाइटंस के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा नहीं होंगे। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने अभी तक वेड को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन हेडन की एंट्री के बाद वेड की विदाई लगभग तय मानी जा रही है।

हेडन बोले- हम गुजरात टाइटंस में बैटिंग का नया स्टैंडर्ड सेट करेंगे

मैथ्यू हेडन
IPL करियर
टी-20

मैच	रन	50|100	स्ट्राइक रेट
32	1107	8|0	137.15

हेडन का करियरः 15 हजार से ज्यादा इंटरनेशनल रन

मैथ्यू हेडन का इंटरनेशनल करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट मिलाकर 273 मैच खेले हैं, जिसमें उनके नाम 15,000 से ज्यादा रन दर्ज हैं। आईपीएल के कई बड़े टूर्नामेंट्स जिताने में उनकी अहम भूमिका रही है। हेडन का आईपीएल से भी पुराना नाता है। वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 32 मैच खेल चुके हैं और लीग की शुरुआती चमक बढ़ाने वाले खिलाड़ियों में शामिल थे।

कलेक्टर ने ली निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने दी सख्त चेतावनी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बीते बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष (दिशा भवन) में जिले में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन विभाग, नगरीय निकाय, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना सहित विभिन्न निर्माण एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं-समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने लंबित निर्माण कार्यों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन परियोजनाओं की सूची तलब की जो निर्धारित समय-सीमा के बाद भी अधूरी हैं। साथ ही संबंधित ठेकेदारों एवं अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता परीक्षण और भुगतान में पारदर्शिता-कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए रैंडम सैंपलिंग एवं लैब टेस्ट रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों का भौतिक सत्यापन हो चुका है, उनके भुगतान में अनावश्यक देरी न की जाए ताकि कार्यों की गति बनी रहे। कलेक्टर ने वर्षा ऋतु से पूर्व सभी निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नाली निर्माण, सड़क मरम्मत तथा पुलिया निर्माण जैसे कार्यों को मानसून शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूरा करने कहा, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

विभागों को दिए गए विशेष निर्देश-बैठक में कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को मुख्य मार्गों के डामरीकरण और अधूरे भवनों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों को अमृत मिशन और शहरी सौंदर्यीकरण के कार्यों में तेजी लाने को कहा गया। वहीं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को पंचायत स्तर पर बन रहे सामुदायिक भवनों और स्कूल मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

बिजली शिफ्टिंग कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश-कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्माण स्थलों पर बिजली शिफ्टिंग के कार्यों को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि सिविल निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि विकास कार्य जनता की सुविधा के लिए हैं।

यदि किसी भी एजेंसी या ठेकेदार की लापरवाही के कारण कार्य में देरी होती है, तो संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित निर्माण कार्यों का साप्ताहिक निरीक्षण करने और वास्तविक स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। साथ ही पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों के उच्च गुणवत्ता वाले फेटोग्राफ उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए।

विश्व ग्लूकोमा सप्ताह पर जागरूकता रैली, आंखों की जांच कराने की अपील

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 08 से 14 मार्च तक विश्व ग्लूकोमा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध कोमलदेव जिला चिकित्सालय कांकेर के तत्वावधान में नगर के मुख्य मार्गों पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को ग्लूकोमा (काला मोतिया) के लक्षण, बचाव एवं समय पर जांच कराने के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर ने बताया कि ग्लूकोमा आंखों से जुड़ी गंभीर बीमारी है, जो धीरे-धीरे दृष्टि को प्रभावित करती है। यह बीमारी प्रायः 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में अधिक पाई जाती है। इसके लक्षणों में आंखों की रोशनी कम होना, आंखों में लालिमा, धुंधला दिखाई देना, तेज रोशनी के चारों ओर इंद्रधनुष जैसे गोले दिखाई देना तथा चश्मे के नंबर में लगातार बदलाव होना शामिल है। इस अवसर पर नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका महिलांग तथा अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. सरिता कुमेटी द्वारा ग्लूकोमा रोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत शहर में रैली निकालकर लोगों को आंखों की नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग कांकेर ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के दौरान अपनी आंखों की जांच अवश्य कराएं, ताकि इस गंभीर बीमारी की समय रहते पहचान और उपचार संभव हो सके।

सफलता की कहानी: कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे से मांग करने पर महिला को त्वरित मिला श्रवण यंत्र

कलेक्टर के संवेदनशील पहल से जमना मिरी के चेहरे पर आयी मुस्कान, अब अच्छे से दे रही सुनाई

सारंगढ़-बिलाईगढ़/ मूक पत्रिका

सारंगढ़ विकासखंड के ग्राम दुर्गापाली की निवासी जमना मिरी को सुनने में गंभीर परेशानी थी, सुन नहीं पाने के कारण उन्हें सड़क पर चलने-फिरने में भी काफी दिक्कत होती थी और दुर्घटना का भी डर बना रहता था। अपनी समस्या को लेकर जमना मिरी आवेदन लेकर कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के पास पहुंची। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशीलता दिखाई और समाज कल्याण विभाग को तत्काल आवेदन का निराकरण करने के

निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग ने तत्परता दिखाते हुए आधे घंटे के भीतर ही जमना मिरी को श्रवण यंत्र उपलब्ध करा दिया। श्रवण यंत्र मिलने के बाद अब जमना मिरी साफ तौर पर सुन पा रही हैं, जिससे उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। उन्होंने इस सहायता के लिए कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त की।

महतारी वंदन की राशि से बचत, सुकन्या समृद्धि में निवेश और सिलाई से आत्मनिर्भर बनीं लक्ष्मी रंगारे

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक कमाई तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह आत्मविश्वास, हौसले और मेहनत से जुड़ी होती है। बेमेतरा जिले की श्रीमती लक्ष्मी रंगारे की प्रेरणादायक कहानी इसी का उदाहरण है। जीवन की चुनौतियों का सामना करते हुए उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर न केवल अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाई, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी मजबूत कदम बढ़ाए हैं।

परिवार की जिम्मेदारियों के बीच नहीं हारी हिम्मत-लक्ष्मी रंगारे बताती हैं कि परिवार की जिम्मेदारियां उनके कंधों पर ही हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्होंने निरंतर प्रयास जारी रखा और मेहनत के साथ आगे बढ़ती रहीं।

महतारी वंदन योजना बनी सहारा-ऐसे समय में राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना उनके लिए एक महत्वपूर्ण सहारा साबित हुई। इस योजना के तहत मिलने वाली राशि ने उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता लाने में मदद की। लक्ष्मी रंगारे ने इस राशि का उपयोग केवल दैनिक खर्चों में करने के बजाय समझदारी से बचत करने का निर्णय लिया। उनका मानना है कि यदि योजनाओं का सही उपयोग किया जाए तो छोटी सहायता भी परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में मदद कर सकती है।

बेटी के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि में निवेश-लक्ष्मी रंगारे हर महीने मिलने वाली राशि का एक हिस्सा अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में जमा करती हैं। उनका कहना है कि छोटी-छोटी बचत ही आगे चलकर बड़ी सुरक्षा बनती है। वे मानती हैं कि बेटियों की शिक्षा और भविष्य के लिए समय रहते निवेश करना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ वे नियमित रूप से बचत कर रही हैं ताकि आने वाले समय में उनकी बेटी को बेहतर अवसर मिल सके।

सिलाई-कढ़ाई के हुनर को बनाया रोजगार-लक्ष्मी रंगारे को बचपन से ही सिलाई-कढ़ाई का शौक था। उन्होंने अपने इसी हुनर को रोजगार का माध्यम बनाया और घर से ही सिलाई का काम शुरू किया। उनकी मेहनत, लगन और कपड़ों की बेहतर फिनिशिंग के कारण धीरे-धीरे लोगों का विश्वास बढ़ने लगा। आसपास के गांवों और मोहल्लों से भी लोग कपड़े सिलवाने के लिए उनके पास आने लगे। आज उनके पास महिलाओं और बच्चों के कपड़ों की सिलाई का अच्छा काम आने लगा है, जिससे उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है।

लखपति दीदी योजना से मिली नई प्रेरणा-लक्ष्मी रंगारे बताती हैं कि लखपति दीदी योजना ने उन्हें आगे बढ़ने की नई प्रेरणा दी है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने और स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिल रहा है। इससे उनका आत्मविश्वास और भी मजबूत हुआ है और वे अपने कार्य को और आगे बढ़ाने की योजना बना रही हैं।

अन्य महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा-आज लक्ष्मी रंगारे सिलाई के कार्य से आय अर्जित कर अपने परिवार की आर्थिक मदद कर रही हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि कठिन परिस्थितियों में भी यदि हौसला और मेहनत साथ हो, तो हर महिला अपने जीवन को नई दिशा दे सकती है। आज वे न केवल आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनकर उभर रही हैं।

करमतरा स्कूल में शिक्षकों द्वारा कराया गया न्यौता भोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के मंशानुरूप स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट खाना देने के साथ भोजन में उनकी रुचि बढ़ाने के लिए न्योता भोजन शुरू किया गया है। कोई भी अपनी स्वेच्छा से स्कूलों में भोज का आयोजन कर सकता है।इसी तारतम्य में शासकीय प्राथमिक शाला करमतरा में सनत कुमार धुर्वे (प्रधान पाठक) एवं गौकरण कुमार चंद्राकर (शिक्षक) के द्वारा न्यौता भोजन का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों को खीर, पूड़ी,सलाद,पापड़ एंव दाल, सब्जी-चावल परोसे गये।इस आयोजन में शाला प्रबंधन समिति के सदस्य दिलीप कुमार एंव शिवकुमार सहित रसोइया और बच्चें उपस्थित रहे।

निकाय कर्मचारी यूनियन ने कलेक्टर को सौंपा मांगपत्र, अप्रैल में त्रिपक्षीय बैठक का आश्वासन

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को कलेक्टर को 9 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया। यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पहल करने की मांग की। यूनियन के राज्य अध्यक्ष द्वारका कोसरिया एवं महासचिव भाव सिंह कश्यप ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पिछले चार माह से संबंधित अधिकारियों को मांगपत्र सौंपकर समस्याओं के निराकरण का आग्रह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई मांगों पर अब तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं हो पाई है। यूनियन ने मांगपत्र में उल्लेख किया कि भानुप्रतापपुर और चारामा में प्लेसमेंट कर्मचारियों को अब तक ईएसआई कार्ड वितरित नहीं किए गए हैं। इसके अलावा कर्मचारियों के वार्षिक बोनस, प्रत्येक माह की 10 तारीख तक वेतन भुगतान कर्मचारियों को वेतन पर्ची उपलब्ध कराने, सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करानेतथा प्लेसमेंट एजेंसी के साथ माह में एक बार बैठक आयोजित करने जैसी मांगें भी शामिल हैं। यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से उनकी उपस्थिति में त्रिपक्षीय बैठक आयोजित करने का आग्रह किया, जिसमें श्रम पदाधिकारी, नगरीय निकायों के सीएमओ और यूनियन के प्रतिनिधि शामिल हों। इस पर कलेक्टर ने अप्रैल माह में त्रिपक्षीय बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में यूनियन के अध्यक्ष द्वारका कोसरिया, महासचिव भाव सिंह कश्यप, राकेश बिछिया, अरुण वाल्मीकि, सोनू रजक और राज रजक सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत की तैयारी तेज, प्रधान जिला न्यायाधीश ने ली विभागीय अधिकारियों की बैठक

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर 11 मार्च 2026 आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला न्यायालय कांकेर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजीव कुमार टामक ने की। बैठक में बैंक, नगरपालिका, विद्युत एवं दूरसंचार विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का अधिक से अधिक निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कराने के निर्देश दिए गए। प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि जिन मामलों में समझौते की संभावना है, उनकी सूची शीघ्र तैयार कर संबंधित न्यायालयों में प्रस्तुत की जाए, ताकि पक्षकारों को समय पर नोटिस जारी किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को भी समय पर तैयार कर लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाए, जिससे अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित निराकरण हो सके और लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके। बैठक में उपस्थित अधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने-अपने विभागों के लंबित मामलों की समीक्षा कर अधिक से अधिक प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में निराकरण के लिए प्रस्तुत करें। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांकेर की सचिव शांति प्रभु जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जल उत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत लाइवलिहुड कॉलेज बेमेतरा में हुआ आयोजन

नलजल मित्र कार्यक्रम के तहत युवाओं को बहु-कौशल प्रशिक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत जिला परियोजना लाइवलिहुड कॉलेज बेमेतरा में जल जीवन मिशन के तहत चयनित ग्रामों के युवाओं को नलजल मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत बहु-कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है 7 यह प्रशिक्षण जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर जल आपूर्ति व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव के लिए स्थानीय युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है।

जल उत्सव पखवाड़ा के अंतर्गत दिया गया प्रशिक्षण-आज 11 मार्च 2026 को जल उत्सव पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित ग्रामों के पात्र युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन, रखरखाव तथा उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे भविष्य में इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा-कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों ने जल उत्सव पखवाड़ा के आयोजन की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए उपयोगी पहल बताया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारियों ने युवाओं को प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण से युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना-जिला परियोजना लाइवलिहुड कॉलेज बेमेतरा द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई और उन्हें कौशल आधारित रोजगार के लिए आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।